CTET L1 Hindi L2 Telugu P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) ______ is an example of gross motor skills.

(1) Running

(2) Grasping

(3) Scribbling

(4) Squeezing

_______ स्थूल गत्यात्मक कौशल का उदाहरण है।

(1) भागना

(2) पकड़ना

(3) आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचना

(4) निचोड़ना

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Most children learn to hold a glass before they hold a pen. Which principle of development explains this specific direction of development ?

(1) Cephalo-Caudal Principle

(2) Proximo-Distal Principle

(3) Principle of Interaction

(4) Principle of Exclusion

अधिकतर बच्चे पेन पकड़ना सीखने से पहले गिलास पकड़ना सीख लेते हैं। विकास का कौन-सा सिद्धांत इस विशेष दिशा का वर्णन करता है ?

(1) शीर्षगामी सिद्धांत

(2) अधोगामी सिद्धांत

(3) पारस्परिकता/संपर्क का सिद्धांत

(4) बहिष्कार का सिद्धांत

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) Which of the following are primary agencies of socialisation for very young children ?

(1) Neighbourhood and Print media

(2) School and Law

(3) Social policy and Religion

(4) Family and Neighbourhood

बहुत छोटे बच्चों के लिए निम्न में से कौन-सी संस्थाएँ समाजीकरण की प्राथमिक संस्थाएँ हैं ?

(1) आस-पड़ोस और मुद्रक संचार

(2) विद्यालय और कानून

(3) सामाजिक नीति और धर्म

(4) परिवार और आस-पड़ोस

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) According to Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage can children think deductively ?

(1) Sensorimotor

(2) Pre-operational

(3) Concrete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, बच्चे किस चरण में निगमनात्मक रूप से सोच सकते हैं ?

(1) संवेदी-गामक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) Reena, a 5-year-old girl is shown two identical transparent glasses, both short and wide in shape. Both have exaclty same amount of milk in them. She agrees that the quantity is the same. However, when same milk from one glass was poured into a taller, narrower glass, she believes that taller glass has more milk than shorter glass. As per Jean Piaget's theory, this represents

(1) Difficulty in decentering

(2) Animism

(3) Semiotic function

(4) Hypothetical-deductive reasoning

पाँच वर्षीय रीना को दो पारदर्शी समरूप गिलास दिखाए गए, जो दोनों ही आकार में छोटे और चौड़े थे। दोनों में बराबर मात्रा में दूध डाला गया जिसे दिखाने पर रीना ने बराबर होने की सहमति जताई। फिर एक गिलास के दूध को किसी अन्य गिलास में डाला गया जो अपेक्षाकृत लम्बा और संकीर्ण था। अब रीना का मानना है कि लम्बे गिलास में छोटे गिलास की अपेक्षा दूध ज्यादा है। जीन पियाज़े के सिद्धांत के अनुसार यह क्या दर्शाता है ?

(1) विकेंद्रीकरण में कठिनाई

(2) जीववादी सोच

(3) लाक्षणिक प्रकार्य

(4) काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) Anu argues that 'only society not individuals can determine what is right'. As per Lawrence Kohlberg's moral development theory, which stage is represented in this example ?

(1) Obedience and Punishment orientation

(2) Good boy-good girl orientation

(3) Authority and social-order maintaining orientation

(4) Universal ethical principles orientation

अनु का तर्क है कि 'केवल समाज ही तय कर सकता है कि क्या सही है, व्यक्तिगत रूप नहीं'। लारेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत के अनुसार यह उदाहरण किस चरण को दर्शाता है ?

(1) आज्ञापालन एवम् दण्ड अभिविन्यास

(2) अच्छा लड़का-अच्छी लड़की अभिविन्यास

(3) अधिकारिता एवम् सामाजिक-क्रम व्यवस्था अभिविन्यास

(4) सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) As per Lev Vygotsky's ideas, which of the following is a correct way of scaffolding students' learning ?

(1) Conditioning the response by a stimulus.

(2) Giving rewards on correct answers.

(3) Providing prompts and cues when required.

(4) Telling answers directly without discussion.

लेव वायगोत्स्की के विचारों के अनुसार, निम्न में से विद्यार्थियों के अधिगम को पाड़ प्रदान करने का कौन-सा तरीका सही है ?

(1) उद्दीपन के द्वारा प्रतिक्रिया को अनुकूलित करना ।

(2) सही जवाबों के लिए पुरस्कार देना ।

(3) जरूरत पड़ने पर संकेत और इशारे देना ।

(4) बिना चर्चा के सीधा जवाब बता देना ।

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Lev Vygotsky advocated for_________.

(1) extensive focus on rote memorisation

(2) collaborative learning

(3) exam-centric pedagogy

(4) standardised curriculum

लेव वायगोत्स्की ने निम्न में से किसे बढ़ावा दिया ?

(1) कंठस्थ स्मरण पर अत्यधिक जोर

(2) सहयोगात्मक अधिगम

(3) परीक्षा-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र

(4) मानकीकृत पाठ्यक्रम

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) In a progressive classroom, learners are viewed as __________.

(1) passive recepient of knowledge

(2) active participant in knowledge construction

(3) capable of learning only by lecture method

(4) incapable of processing information independently

एक प्रगतिशील कक्षा में, अधिगमकर्ताओं को किस तरह समझा जाता है ?

(1) ज्ञान के निष्क्रिय ग्रहणकर्ता के रूप में

(2) ज्ञान निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में

(3) केवल व्याख्यान विधि से सीखने में सक्षम

(4) स्वतंत्र रूप से सूचना प्रसंस्करण में असक्षम

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Rajni is really good at creating mental representation and transformation of seen objects. As per Howard Gardner's theory of multiple intelligence, what kind of intelligence is she exhibiting ?

(1) Linguistic

(2) Musical

(3) Spatial

(4) Interpersonal

रजनी देखी गई वस्तुओं के मानसिक चित्रण और परिवर्तन में बहुत कुशल है । हॉवर्ड गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत के अनुसार, वह किस प्रकार की बुद्धि दर्शाती है ?

(1) भाषायी

(2) संगीतीय

(3) स्थानिक

(4) अंतर्वैयक्तिक

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) Verbalisation of his own thoughts often helps James to find the solution of given problems. This statement suggests that :

(1) Language and cognition are not related.

(2) Biological maturation causes language development.

(3) Language facilitates cognition.

(4) Cognition gets delayed by interference of linguistic expression.

अपने विचारों का मौखिकीकरण जेम्स को दिए सवालों का जवाब ढूँढने में अकसर मदद करता है। यह कथन क्या सुझाता है ?

(1) भाषा और संज्ञान संबंधित नहीं हैं।

(2) जैविक परिपक्वता भाषा विकास के लिए जिम्मेवार है।

(3) भाषा संज्ञान को सुसाधित करती है।

(4) भाषाई अभिव्यक्ति के हस्तक्षेप से संज्ञान में देरी आ जाती है।

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is _______

(1) an identity shaped by society.

(2) predetermined since conception period.

(3) an innate biological quality.

(4) not influenced by socialisation agencies.

जेन्डर _________

(1) एक ऐसी अस्मिता है जो सामाजिक संरचनाओं द्वारा आकृति पाती है।

(2) गर्भधारण के समय से ही पूर्व-निर्धारित होता है।

(3) एक जन्मजात जैविक गुण है।

(4) समाजीकरण की संस्थाओं से प्रभावित नहीं होता है।

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) "Having a diverse curriculum with children from varied social, economic and cultural backgrounds enriches the learning experience of all students."
This statement is :

(1) correct, because children learn many skills from their peers.

(2) correct, because it makes the classroom more hierarchial.

(3) incorrect, because it leads to unnecessary competition.

(4) incorrect, because it can confuse the children and they may feel lost.

"विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों से युक्त कक्षा में विविध पाठ्यक्रम होने से सभी छात्रों के सीखने के अनुभव समृद्ध होते हैं।" यह कथन :

(1) सही है, क्योंकि बच्चे अपने साथियों से कई कौशल सीखते हैं।

(2) सही है, क्योंकि यह कक्षा को अधिक श्रेणीबद्ध बनाता है।

(3) गलत है, क्योंकि इससे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा होती है।

(4) गलत है, क्योंकि यह बच्चों को भ्रमित कर सकता है और वे खोया हुआ महसूस कर सकते हैं।

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) Assessment for learning should be :

(1) Contextual

(2) Standardised

(3) Norm-referenced

(4) Teacher-oriented

'अधिगम के लिए' मूल्यांकन किस प्रकार का होना चाहिए ?

(1) संदर्भित

(2) मानकीकृत

(3) मानदंड-संदर्भित

(4) अध्यापक-अभिमुखी

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following strategy of a teacher will promote creative thinking among students ?

(1) Giving long passages to rote memorise

(2) Encouraging convergent ways of representing a problem

(3) Rewarding functional fixedness

(4) Presenting problems that require search for innovative solutions

एक अध्यापिका द्वारा अपनाई गई कौन-सी युक्ति विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देगी ?

(1) बड़े-बड़े गद्य कंठस्थ याद करने के लिए देना

(2) किसी समस्या को दर्शाने के अभिसारी तरीके को प्रोत्साहित करना

(3) प्रकार्यात्मक स्थिरता को पुरस्कृत करना

(4) ऐसी समस्याएँ प्रस्तुत करना जिनके लिए नवचारी समाधान खोजने की जरूरत हो

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Successful inclusion of students belonging to disadvantaged groups requires _________.

(1) inflexible curriculum

(2) exam-centric pedagogy

(3) reasonable accommodations

(4) inaccessible infrastructure

वंचित वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों के सफल समावेशन हेतु निम्न में से क्या जरूरी है ?

(1) अनम्य पाठ्यक्रम

(2) परीक्षा-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र

(3) उचित समायोजन

(4) अगम्य/दुर्गम इमारती संरचना

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Which of the following principle underlies the philosophy of inclusion ?

(1) Equity

(2) Equality

(3) Segregation

(4) Discrimination

निम्न में से किस सिद्धांत पर समावेशन की विचारधारा आधारित है ?

(1) समता

(2) समानता

(3) अलगाव

(4) पक्षपात

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q17]
1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) Students having Attention-Deficit-Hyperactivity Disorder typically tend to be :

(1) Highly organised.

(2) Very attentive.

(3) Patient while listening to long instructions.

(4) Restless.

अवधान-न्यूनता-अतिक्रियाशीलता विकार से जूझते विद्यार्थियों में निम्न में से कौन-सा अभिलक्षण अकसर पाया जाता है ?

(1) उच्च स्तरीय तौर से व्यवस्थित होना ।

(2) बहुत सचेत होना ।

(3) लंबे निर्देशों को सुनते समय धैर्यवान रहना ।

(4) आकुल होना ।

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q18]
1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Students who are creative are likely to :

(1) take long time to understand task.

(2) come up with innovative original ideas.

(3) be behind their agemates in cognitive development.

(4) require higher efforts in learning content.

सृजनात्मक विद्यार्थी के बारे में निम्न में से क्या सही है ?

(1) वे कार्य को समझने में काफी समय लेते हैं ।

(2) वे नवीन और मूल विचार सुझाते हैं ।

(3) वे अपने सहपाठियों के मुकाबले संज्ञानात्मक विकास में पिछड़े होते हैं ।

(4) उन्हें विषय-वस्तु को समझने में काफी मेहनत लगती है ।

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q19]
1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Austim causes challenges in several domains. Yet students with autism often have strength for _____________ which can be utilised by the teacher.

(1) retaining extensive factual information
(2) interpreting social situations correctly
(3) cognitive flexibility
(4) communicating their feelings clearly

स्वलीनता कई प्रकार के क्षेत्रों में चुनौती पैदा करती है । फिर भी स्वलीनता से जूझते विद्यार्थियों में निम्न में से कौन-सा सामर्थ्य होता है जिसका अध्यापिका सदुपयोग कर सकती है ?

(1) व्यापक तथ्यात्मक जानकारी का प्रतिधारण
(2) सामाजिक परिस्थितियों का सही विवेचन
(3) संज्ञानात्मक नम्यता
(4) अपनी भावनाओं का सटीक संप्रेषण

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q20]
1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) In order to enhance effective and meaningful learning for students, a teacher should emphasise on :

(1) rote memorisation of given information.
(2) increasing competitive spirit among students.
(3) conditioning of behaviour.
(4) relating content with real-life contexts.

विद्यार्थियों में प्रभावशाली एवम् अर्थपूर्ण अधिगम को बढ़ावा देने के लिए, एक अध्यापिका को किस पर बल देना चाहिए ?

(1) दी गई जानकारी को कंठस्थ स्मरण करने के लिए।
(2) विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाने के लिए।
(3) व्यवहार के अनुकूलन के लिए।
(4) पाठ्यसामग्री को वास्तविक-जीवन संदर्भ से जोड़ने के लिए।

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q21]
1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Which of the following approach undermines students' ability ?

(1) Discovery learning

(2) Cooperative learning

(3) Intuitive guessing

(4) Passive imitation

निम्न में से कौन-सा उपागम विद्यार्थियों के ज्ञान अर्जन की योग्यता को कमत्तर आँकता है ?

(1) खोजी अधिगम

(2) सहयोगात्मक अधिगम

(3) सहज अनुमान लगाना

(4) निष्क्रिय नकल

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) *Assertion (A) :*

A teacher should activate students' previous knowledge while teaching a new concept.

Reason (R) :

Learning is more effective when content is presented in disconnected chunks of information.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true but (R) is false.

(4) Both (A) and (R) are false.

कथन (A) :

किसी नए संप्रत्यय को पढ़ाने के समय एक अध्यापिका को विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना चाहिए।

तर्क (R) :

अधिगम अधिक प्रभावशाली होता है जब विषय-वस्तु को जानकारी के असंबंधित खण्डों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Learning is __________ and ________ in character.

(1) active, social

(2) passive, social

(3) active, individual

(4) passive, individual

अधिगम की प्रकृति ___________ और _________ है।

(1) सक्रिय, सामाजिक

(2) निष्क्रिय, सामाजिक

(3) सक्रिय, व्यक्तिगत

(4) निष्क्रिय, व्यक्तिगत

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following are effective problem solving strategies ?

(i) Mnemonics

(ii) Heuristics

(iii) Functional fixedness

(iv) Algorithms

(1) (i), (ii), (iii)

(2) (ii), (iii), (iv)

(3) (i), (iii), (iv)

(4) (i), (ii), (iv)

निम्न में से कौन-सी युक्तियाँ समस्या-समाधान के लिए प्रभावशाली हैं ?

(i) स्मृति-सहायक विधियाँ

(ii) अन्वेषण

(iii) प्रकार्यात्मक स्थिरता

(iv) कलन-विधि

(1) (i), (ii), (iii)

(2) (ii), (iii), (iv)

(3) (i), (iii), (iv)

(4) (i), (ii), (iv)

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q25]
1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) *Assertion (A) :*
A teacher should encourage students to share their ideas even if they represent misconceptions about the concept.
Reason (R) :
Misconceptions represent 'navie' theories constructed by students and are meaningful in learning process.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
(3) (A) is true but (R) is false.
(4) Both (A) and (R) are false.

कथन (A) :
एक अध्यापिका को विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए चाहे वो विचार भ्रांतियाँ ही क्यों ना हों।
तर्क (R) :
भ्रांतियाँ विद्यार्थियों द्वारा गठित 'सहज' सिद्धांत होती हैं जो अधिगम प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण होती हैं।
सही विकल्प चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q26]
1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Which of the following statements is correct about emotions and cognition ?

(1) High anxiety improves problem-solving skills.
(2) Moderate excitement improves involvement and learning.
(3) Hopelessness motivates the learners to try harder.
(4) Shame motivates the learners to take initiatives in group works.

संवेगों और संज्ञान के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) उच्च स्तरीय दुश्चिंता समस्या-समाधान कौशलों को बेहतर करती है ।

(2) संतुलित उत्साह भागीदारी और अधिगम को बढ़ाता है ।

(3) निराशा अधिगमकर्ताओं को और अधिक प्रयास करने को अभिप्रेरित करती है ।

(4) शर्मिंदगी अधिगमकर्ताओं को सामूहिक कार्यों में पहल करने के लिए अभिप्रेरित करती है ।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students should be motivated to frame _______ goals.

(1) Mastery oriented

(2) Performance oriented

(3) Failure accepting

(4) Success avoidance

विद्यार्थियों को किस प्रकार के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ?

(1) महारत उन्मुखी

(2) प्रदर्शन उन्मुखी

(3) असफलता स्वीकृत

(4) सफलता परिहार

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) _______ influences learning positively while _________ influences learning negatively.

(1) Brainstorming, Concept mapping

(2) Passive imitation, enquiry

(3) Discussion, critical thinking

(4) Schema activation, Learned helplessness

________ अधिगम को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है जबकि ________ नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

(1) विचारावेश, संकल्पना मानचित्रण

(2) निष्क्रिय नकल, अनुसंधान

(3) चर्चा, समालोचनात्मक चिंतन

(4) स्कीमा सक्रियता, अधिगम अशक्तता

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) National Education Policy (2020) recommends pedagogies which are ________ .

(1) exam-centric

(2) teacher-centric

(3) learner-centric

(4) exclusion-centric

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) किस प्रकार के शिक्षाशास्त्रों का प्रस्ताव रखती है ?

(1) परीक्षा-केन्द्रित

(2) अध्यापक-केन्द्रित

(3) अधिगमकर्ता-केन्द्रित

(4) बहिष्कार-केन्द्रित

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) In a bag, there are 1 white ball and 3 red balls. How many white balls should be added to the bag so that total number of white balls will become $\frac{1}{2}$ of the balls in the bag ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

किसी थैले में, 1 सफेद गेंद और 3 लाल गेंदें हैं। इस थैले में कितनी सफेद गेंदें और डाल दी जाएँ ताकि सफेद गेंदों की संख्या उस थैले की कुल गेंदों की संख्या का $\frac{1}{2}$ हो जाएँ ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Out of 12 white sheets of equal size, Naveen coloured $\frac{3}{4}^{th}$ of them with red paint. How many white sheets are remaining now ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

समान माप की 12 सफेद शीटों में से नवीन उनके $\frac{3}{4}$ भाग में लाल रंग का पेंट कर देता है। अब कितनी सफेद शीट शेष रह गई हैं ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) The least number which is a common multiple of 45, 85 and 105 is

(1) 765

(2) 5355

(3) 315

(4) 1785

संख्याओं 45, 85 और 105 का लघुतम सार्व गुणज है

(1) 765

(2) 5355

(3) 315

(4) 1785

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q33]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) Die A consists of numbers 1, 3 and 5 on three faces and 0 is marked on all other faces. On the second die B; odd numbers 1, 3 and 5 are replaced by twice of those numbers and remaining three faces consist of 2, 4 and 6. Both the dice are thrown together and product of numbers obtained is taken. If we write all possible products, which product will be obtained three times ?

(1) 2

(2) 4

(3) 6

(4) 10

पासे A के तीन फलकों पर संख्याएँ 1, 3 और 5 अंकित हैं तथा अन्य सभी फलकों पर 0 अंकित हैं। दूसरे पासे B में; विषम संख्याओं 1, 3 और 5 को उनके दुगुने से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तथा शेष तीन फलकों पर 2, 4 और 6 अंकित हैं। दोनों पासों को एक साथ फेंका जाता है तथा प्राप्त संख्याओं का गुणनफल नोट किया जाता है। यदि हम सभी संभव गुणनफलों को लिखें, तो कौन-सा गुणनफल तीन बार प्राप्त होगा ?

(1) 2

(2) 4

(3) 6

(4) 10

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q34]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Mayank was supposed to add two even numbers. Instead of that he added two odd numbers. Then, the answer will be

(1) Different but again an even number

(2) Same as supposed to be

(3) Different and an odd number

(4) Different even number larger than it was supposed to be

मयंक को दो सम संख्याओं को जोड़ना था । इसके स्थान पर उसने दो विषम संख्याओं को जोड़ दिया । तब, उसका उत्तर होगा

(1) अलग (भिन्न) परंतु पुन: एक सम संख्या

(2) जैसा प्राप्त होना था वही

(3) अलग तथा एक विषम संख्या

(4) अलग सम संख्या जो पहले प्राप्त होने वाली संख्या से बड़ी है

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) How many twin primes are there between the numbers 19 and 51 ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संख्याओं 19 और 51 के बीच में कितने अभाज्य युग्म हैं ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) The angle between the hour hand and the minute hand of a 12-hour clock is 180° at the following time :

(1) 5:30

(2) 9:00

(3) 6:00

(4) 12:30

एक 12 घंटे वाली घड़ी की घंटे की सुई और मिनट की सुई के बीच का कोण 180° निम्न समय पर होता है :

(1) 5:30

(2) 9:00

(3) 6:00

(4) 12:30

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Teacher shows the following figures to the class II children :
Match box, Brick, Geometry box
All of these are examples of a shape called

(1) Cube

(2) Cuboid

(3) Cone

(4) Cylinder

शिक्षक ने कक्षा II के बच्चों को निम्नलिखित आकृतियाँ दर्शाईं :
माचिस की डिब्बी, ईंट, ज्यामिति बॉक्स
ये सभी वस्तुएँ उस आकार के उदाहरण हैं, जो कहलाता है

(1) घन

(2) घनाभ

(3) शंकु

(4) बेलन

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Which of the following figures has linear symmetry but no rotational symmetry ?

(1) Rectangle

(2) Kite

(3) Equilateral triangle

(4) Rhombus

निम्नलिखित में से किस आकृति में रैखिक सममिति है, परंतु घूर्णन सममिति नहीं है ?

(1) आयत

(2) पतंग

(3) समबाहु त्रिभुज

(4) समचतुर्भुज

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) Jayanth measured sides of a rectangle using a matchstick. He got its length as 6 times of his matchstick and breadth 3 times of the same matchstick. If his matchstick is of length 40 mm, what is the area of rectangle in square centimetres ?

(1) 288

(2) 278

(3) 72

(4) 96

जयंथ ने एक आयत की भुजाओं को एक दियासलाई के उपयोग से मापा । उसे इस आयत की लंबाई दियासलाई की लंबाई की 6 गुनी प्राप्त हुई तथा चौड़ाई उसी दियासलाई की 3 गुनी प्राप्त हुई । यदि उसकी दियासलाई की लंबाई 40 mm है, तो उस आयत का क्षेत्रफल वर्ग सेंटीमीटरों में क्या है ?

(1) 288

(2) 278

(3) 72

(4) 96

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Jayanth purchased 2 kg of Jamun at the rate of ₹ 100·00 per kg. His friend Kirana has contributed $\frac{3}{10}$ of the money for it. How much Jamun she should get from Jayanth ?

(1) 600 grams

(2) 800 grams

(3) 1000 grams

(4) 300 grams

जयंथ ने ₹ 100·00 प्रति kg की दर से 2 kg जामुन खरीदे। इसके लिए, उसके मित्र किराना ने इस धनराशि के $\frac{3}{10}$ भाग के बराबर योगदान दिया। जयंथ से उसे कितने जामुन प्राप्त होंगे ?

(1) 600 ग्राम

(2) 800 ग्राम

(3) 1000 ग्राम

(4) 300 ग्राम

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) Bijoy gets up at 6:00 am in the morning. When he started for going to school, the minute hand of the clock was at 12 and hour hand was at 9. How much time he spent in home after he woke up till going to school ?

(1) 6 hours

(2) 9 hours

(3) 12 hours

(4) 3 hours

बिजोय प्रात: 6:00 am पर सो कर उठा। जब वह स्कूल जाने लगा, तो घड़ी की मिनट वाली सुई 12 पर थी तथा घंटे की सुई 9 पर थी। उसने घर में, प्रात: उठने से लेकर स्कूल जाने लगने तक कितना समय व्यतीत किया ?

(1) 6 घंटे

(2) 9 घंटे

(3) 12 घंटे

(4) 3 घंटे

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) Students of class III conducted a survey among themselves. For that, they made a table with names of fruits written on it. Each student has to put a star '*' mark in the table against the fruit they like. They got 7 stars '*' for mangoes, 5 stars '*' for apples and 6 stars '*' for oranges. Which of the following conclusions is correct from the table ?

(1) Out of 18 students, 6 like mangoes.

(2) Out of 18 students, 11 do not like oranges.

(3) Mango is the most favourite fruit.

(4) Orange is the fruit which most of them don't like.

कक्षा III के विद्यार्थियों ने स्वयं आपस में एक सर्वे किया । इसके लिए, उन्होंने एक सारणी बनाई और उसमें फलों के नाम लिख दिए । प्रत्येक विद्यार्थी को इस सारणी में लिखे फल के सम्मुख अपनी पसंद के लिए एक स्टार '*' चिह्न अंकित करना था । उन्हें आमों के लिए 7 स्टार '*', सेबों के लिए 5 स्टार '*' और संतरों के लिए 6 स्टार '*' प्राप्त होते हैं । इस सारणी से निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष सही है ?

(1) 18 विद्यार्थियों में से 6 विद्यार्थी आम पसंद करते हैं ।

(2) 18 विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थी संतरे पसंद नहीं करते हैं ।

(3) आम सबसे अधिक पसंद किए जाने वाला फल है ।

(4) संतरा वह फल है, जिसे अधिकतम विद्यार्थी पसंद नहीं करते हैं ।

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) Which one of the following correctly represent 7 observations of a data, using tally marks ?

(1) || || |||

(2)

(3)

(4)

निम्नलिखित में से कौन-सा एक आँकड़ों के 7 प्रेक्षणों को, मिलान चिह्नों के उपयोग से सही रूप से निरूपण करता है ?

(1) || || |||

(2)

(3)

(4)

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]

3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) The next number in the following pattern is :
1, 3, 6, 10, _______

(1) 11
(2) 13
(3) 12
(4) 15

निम्नलिखित पैटर्न में अगली संख्या है :
1, 3, 6, 10, _______

(1) 11
(2) 13
(3) 12
(4) 15

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Raju understands that all rhombus are parallelogram but reverse is not true. According to Van Hiele's theory of geometric thinking, Raju is at which level ?

(1) Visualization
(2) Analysis
(3) Abstraction/Relationship
(4) Formal Deduction

राजू समझता है कि सभी समचतुर्भुज समांतर चतुर्भुज हैं लेकिन उत्क्रमण सत्य नहीं है । वैन हैले के ज्यामितीय चिन्तन के सिद्धांत के अनुसार, राजू किस स्तर पर है ?

(1) दृश्यीकरण
(2) विश्लेषण
(3) अमूर्तन/संबंधों की समझ
(4) औपचारिक निगमन

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) National Curriculum Framework, 2005, identifies crude methods of assessment as a major problem in teaching-learning of mathematics. Which of the following statements is least appropriate in the given context ?

(1) Crude methods of assessment encourages perception of mathematics as mechanical computation.

(2) Crude assessment techniques instill a sense of fear and failure regarding mathematics.

(3) There is a wide scope of giving feedback to students in assessment techniques in mathematics.

(4) Due to assessment techniques in mathematics many students find themselves unable to cope with the demands made by mathematics.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005, आकलन की अपरिष्कृत विधियों को गणित शिक्षण-अधिगम की प्रमुख समस्या के रूप में पहचान करता है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस संदर्भ में सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) आकलन की अपरिष्कृत विधियाँ गणित को यांत्रिक गणनाओं के रूप में देखने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।

(2) आकलन की अपरिष्कृत विधियाँ गणित को लेकर डर व असफलता का भाव उत्पन्न करती हैं।

(3) गणित में आकलन की विधियों में विद्यार्थियों को प्रतिपुष्टि प्रदान करने का व्यापक दायरा है।

(4) गणित में आकलन की विधियों के कारण अधिकांश विद्यार्थी गणित की माँगों को पूरा करने में स्वयं को कमज़ोर तथा अयोग्य पाते हैं।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which among the following is/are true in the context of errors made by children in mathematics learning ?

A. Errors are an indicator of a child's learning process and are hence important.

B. Errors are an indicator of lack of competency of a teacher.

C. Errors will become a burden for teachers as he/she would be required to teach the concept again.

Choose the correct option :

(1) Only A

(2) Only B

(3) B and C

(4) A and C

गणित अधिगम के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से क्या सत्य है/हैं ?

A. त्रुटियाँ बच्चे की अधिगम प्रक्रिया की सूचक हैं और इसलिए महत्त्वपूर्ण हैं।

B. त्रुटियाँ शिक्षक की योग्यता में कमी की सूचक हैं।

C. त्रुटियाँ शिक्षकों के लिए एक बोझ बन जाएँगी क्योंकि उन्हें अवधारणा को दोबारा पढ़ाने की आवश्यकता होगी।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) केवल A

(2) केवल B

(3) B और C

(4) A और C

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is ***not*** a characteristic of competency-based mathematics learning ?

(1) Learning outcomes are explicit and measurable.

(2) The pedagogy is based on activities, experiences and integration of arts/sports/technology.

(3) Transition of children to the next level of learning outcomes does not depend upon achieving certain level of proficiency at the current level.

(4) Formative assessment is primarily used and skills or concepts are assessed in multiple contexts.

निम्नलिखित में से कौन-सी योग्यता-आधारित गणित शिक्षण की विशेषता ***नहीं*** है ?

(1) अधिगम के प्रतिफल स्पष्ट और मापने योग्य होते हैं।

(2) शिक्षणशास्त्र गतिविधियों, अनुभवों तथा कला/खेल/प्रौद्योगिकी के समाकलन पर आधारित होता है।

(3) बच्चों का अधिगम-प्रतिफल के अगले स्तर पर बढ़ना, उनके वर्तमान स्तर पर एक निश्चित स्तर की दक्षता हासिल करने पर निर्भर नहीं करता है।

(4) प्राथमिक रूप से रचनात्मक आकलन का उपयोग किया जाता है और कौशल या अवधारणाओं का आकलन कई संदर्भों में किया जाता है।

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) Which of the following is ***not*** a suitable teaching-learning material for mathematics learning at the primary level ?

(1) Tangrams

(2) Dienes Blocks

(3) Tessellation Kits

(4) Theodolite

प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण-अधिगम सामग्री उपयुक्त ***नहीं*** है ?

(1) टेनग्राम

(2) डाइन्स ब्लॉक

(3) टेसीलेशन (टाइलिंग) किट

(4) कोण मापी (थिओडोलाइट)

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) A primary class mathematics teacher engages the children in making groups of shapes that have similar properties and then count the number of shapes in each group. Which of the following may ***not*** be an objective of this activity ?

(1) Learning the skill of classification

(2) Learning about shapes

(3) Learning about counting

(4) Learning about estimation and approximation

एक प्राथमिक कक्षा का गणित शिक्षक बच्चों को समान गुणों वाली आकृतियों का समूह बनाने में तथा फिर प्रत्येक समूह में आकृतियों की संख्या को गिनने में संलग्न रखता है। निम्नलिखित में से कौन-सा इस गतिविधि का उद्देश्य ***नहीं*** हो सकता है ?

(1) वर्गीकरण का कौशल सीखना

(2) आकृतियों के बारे में सीखना

(3) गिनती के बारे में सीखना

(4) अनुमान तथा सन्निकटन के बारे में सीखना

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) According to National Education Policy (NEP), 2020, attaining "foundational literacy and numeracy" for all children became an urgent national mission. Foundational numeracy as per NEP, 2020 refers to

(1) the ability to understand different types of numbers

(2) the ability to carry out basic mathematical operations with Indian numerals

(3) the ability to develop only counting skills among learners

(4) the learning of historical development of numbers

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुसार, सभी बच्चों को "बुनियादी साक्षरता एवं सांख्यिकी" स्तर तक पहुँचाना एक आवश्यक राष्ट्रीय मिशन बन गया है।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार बुनियादी सांख्यिकी का अर्थ है

(1) विभिन्न प्रकार की संख्याओं को समझने की योग्यता

(2) भारतीय संख्याओं पर मौलिक गणितीय संक्रियाओं को करने की योग्यता

(3) शिक्षार्थियों में केवल गिनने के कौशल के विकास की योग्यता

(4) संख्याओं के ऐतिहासिक विकास को जानना

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Which of the following is the most appropriate example of activity-based approach to teaching and learning of properties of geometrical shapes in class IV ?

(1) Children involved in cutting and pasting geometrical shapes from a chart in their notebooks.

(2) A chart depicting the classification of different properties of various geometrical shapes is being used by the teacher in the class.

(3) Children are given numerous cutouts of different shapes and are made to analyse number of sides, angles and vertices, etc.

(4) Children are made to copy various geometrical figures from the blackboard.

कक्षा IV में क्रियाकलाप-आधारित विधि द्वारा ज्यामितीय आकृतियों के गुणधर्म के शिक्षण-अधिगम हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

(1) बच्चों द्वारा ज्यामितीय आकृतियों को चार्ट से काटकर अपनी पुस्तिका में चिपकाना।

(2) शिक्षक/शिक्षिका द्वारा कक्षा में एक चार्ट का उपयोग करना जिसमें विविध ज्यामितीय आकारों/आकृतियों के विभिन्न गुणधर्मों का वर्गीकरण के साथ चित्रण हो।

(3) बच्चों को विविध आकृतियों के आकार में कटी हुई सामग्री देना तथा उनको भुजाओं की संख्या, कोणों और शीर्षों, आदि के अनुसार विश्लेषण करवाना।

(4) बच्चों द्वारा श्यामपट्ट से विविध ज्यामितीय आकृतियों की नकल करवाना।

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following mathematical statement is true ?

(1) All even numbers are composite numbers.

(2) All odd numbers are prime numbers.

(3) There are four prime numbers between 1 to 10.

(4) A prime number can be written as the product of more than two natural numbers.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय कथन सही है ?

(1) सभी सम संख्याएँ भाज्य संख्याएँ हैं।

(2) सभी विषम संख्याएँ अभाज्य संख्याएँ हैं।

(3) 1 से 10 के बीच में चार अभाज्य संख्याएँ हैं।

(4) एक अभाज्य संख्या को दो से अधिक प्राकृत संख्याओं के गुणनफल के रूप में लिखा जा सकता है।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) According to National Curriculum Framework, 2005 which is the most common misconception held by children about mathematics ?

(1) "Mathematics is not just about numbers"

(2) "Mathematics is indeed very interesting"

(3) "Mathematics requires some abstraction"

(4) "Mathematics is the most difficult and hence a scary subject"

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, निम्नलिखित में से बच्चों में गणित के प्रति सबसे अधिक सामान्य भ्रांति क्या है ?

(1) "गणित केवल संख्या के बारे में नहीं है"

(2) "गणित वास्तव में बहुत रुचिपूर्ण है"

(3) "गणित में कुछ अमूर्तनों की आवश्यकता होती है"

(4) "गणित बहुत मुश्किल है अत: एक भयावह विषय है"

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) While introducing the concept of time, a teacher was simultaneouly using the phrases 'quarter past 3', 'quarter to 3, etc'. She intends to

(1) Teach the spelling of 'quarter' to students

(2) Make a base for introducing digital clocks

(3) Tell the difference between the words 'past' and 'to'

(4) Help her students make connection between elapsed time and time remaining

समय की अवधारणा का परिचय कराते हुए, एक शिक्षिका 'पौने 3 तथा सवा 3' जैसे शब्द एक साथ उपयोग करती है। उसका उद्देश्य है

(1) 'पौने' तथा 'सवा' की वर्तनी विद्यार्थियों को सिखाना

(2) अंक घड़ी प्रस्तुत करने का आधार निर्माण

(3) 'पौने' तथा 'सवा' शब्दों में अंतर बताना

(4) अपने विद्यार्थियों को गुजरे हुए समय एवं शेष समय के बीच संबंध बनाने में सहायता करना

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which of the following statement is/are correct for 'tests in mathematics' ?

A. Formative achievement test does not have any characteristics of diagnostic test.

B. Diagnostic test is followed by remedial teaching, if required.

C. Summative tests are product oriented.

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) A and C

(3) B and C

(4) Only A

निम्नलिखित में से 'गणित में परीक्षण' के संदर्भ में कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

A. रचनात्मक उपलब्धि परीक्षण में नैदानिक परीक्षण की कोई भी विशेषता नहीं होती है।

B. नैदानिक परीक्षण के बाद उपचारात्मक शिक्षण, यदि आवश्यक हो, दिया जाता है।

C. योगात्मक परीक्षण उत्पाद उन्मुख हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A और B

(2) A और C

(3) B और C

(4) केवल A

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) To show that Statement A ⇒ Statement B, Shudha starts proving by assuming "not B", and argue to arrive at "not A", Which method did Shudha employ ?

(1) Proof by induction

(2) Proof by construction

(3) Proof by exhaustion

(4) Proof by contrapositive

कथन ए ⇒ कथन बी को सिद्ध करने के लिए, शुधा, "बी नहीं" मानकर उपपत्ति शुरू करती है, और "ए नहीं" पर पहुँचने का तर्क देती है। शुधा ने किस विधि का प्रयोग किया है ?

(1) आगमन उपपत्ति

(2) निर्माण उपपत्ति

(3) नि:शेषण उपपत्ति

(4) प्रतिपरिवर्तित/प्रतिस्थिति उपपत्ति

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) A child added two numbers like this in the following way :

23+47 = 20+40+10 = 70

Which of the following is most appropriate with respect to the above problem ?

(1) It is a wrong strategy of addition

(2) Addition must be done from right to left

(3) The child has not understood the concept of addition

(4) It is an alternate strategy of addition

एक बच्चे ने निम्नलिखित रूप से दो संख्याओं को जोड़ा :

23+47 = 20+40+10 = 70

निम्नलिखित में से उपरोक्त समस्या के संबंध में कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) यह योग की गलत युक्ति है

(2) योग को दाएँ से बाएँ की तरफ ही करना चाहिए

(3) बच्चे ने योग की अवधारणा को नहीं समझा है

(4) यह योग की वैकल्पिक युक्ति है

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following activities, a mathematics teacher can do to increase spatial understanding among the primary stage learners ?

A. Give learners many opportunities to handle objects such as blocks, boxes, containers, shape sorters.

B. Help learners to define concepts like similarity, congruence, etc. by giving different examples.

C. Encourage learners to make new shapes by putting materials together and taking them apart in different arrangements.

D. Encourage learners to identify different shapes around them.

Choose the correct option :

(1) A, C and D

(2) A, B and C

(3) A and D

(4) A and C

प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों के बीच दिक्स्थान संबंधी समझ को बढ़ाने के लिए गणित शिक्षक निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि कर सकता है ?

A. बच्चों को ब्लॉक, बक्से, कंटेनर, आकार सॉर्टर जैसी वस्तुओं को संभालने के कई अवसर दें।

B. विभिन्न उदाहरण देते हुए समरूपता, सर्वांगसमता जैसी अवधारणा को परिभाषित करने में बच्चों की मदद करना।

C. विभिन्न व्यवस्थाओं में सामग्री को एक साथ रखकर और फिर अलग-अलग करके बच्चों को नई आकृतियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

D. बच्चों को अपने चारों तरफ विभिन्न आकृतियों को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A, C और D

(2) A, B और C

(3) A और D

(4) A और C

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) In the textbook for class V a map of Golconda fort is printed. On the right bottom of this map a scale is printed which is as given below :

Scale 1 cm = 110 metre

If on this map the distance between the Fateh Darwaza and the Petla Burj is 15·4 cm, the actual distance between these two places is

(1) 16·94 kilometres

(2) 16·44 kilometres

(3) 1·644 kilometres

(4) 1·694 kilometres

कक्षा V की पाठ्य-पुस्तक में गोलकोण्डा के किले का मानचित्र छपा है । इस मानचित्र के दाहिने निचले भाग पर एक पैमाना छपा है जो इस प्रकार है :

पैमाना 1 सेमी = 110 मीटर

यदि इस मानचित्र पर फतेह दरवाजा और पेटला बुर्ज के बीच की दूरी 15·4 सेमी है, तो इन दोनों स्थानों के बीच की वास्तविक दूरी है

(1) 16·94 किलोमीटर

(2) 16·44 किलोमीटर

(3) 1·644 किलोमीटर

(4) 1·694 किलोमीटर

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) The government law that 'no one can catch and keep snakes' comes under which Act ?

(1) Environment (Protection) Act (1986)

(2) Biological Diversity Act (2002)

(3) Wildlife Protection Act (1972)

(4) Forest Conservation Act (1980)

सरकारी कानून जिसके अनुसार, 'कोई भी व्यक्ति साँप को पकड़ व रख नहीं सकता है' किस अधिनियम के अंतर्गत आता है ?

(1) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (1986)

(2) जैविक विविधता अधिनियम (2002)

(3) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972)

(4) वन संरक्षण अधिनियम (1980)

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) Rajaji National Park is located in

(1) Uttarakhand

(2) Gujarat

(3) Himachal Pradesh

(4) Uttar Pradesh

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान स्थित है :

(1) उत्तराखण्ड में

(2) गुजरात में

(3) हिमाचल प्रदेश में

(4) उत्तर प्रदेश में

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Which one of the following is non-renewable form of energy ?

(1) Solar energy

(2) Geo-thermal energy

(3) Natural gas

(4) Tidal energy

निम्नलिखित में से कौन-सा अनवीकरणीय ऊर्जा का रूप है ?

(1) सौर ऊर्जा

(2) भू-तापीय ऊर्जा

(3) प्राकृतिक गैस

(4) ज्वारीय ऊर्जा

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) Which of the following Union Territory is on the coast of Bay of Bengal ?

(1) Lakshadweep

(2) Nagaland

(3) Puducherry

(4) Dadra and Nagar Haveli, Daman and Diu

निम्न में से कौन-सा केन्द्र शासित प्रदेश बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है ?

(1) लक्षद्वीप

(2) नागालैंड

(3) पुदुचेरी

(4) दादरा और नागर हवेली, दमन और दीव

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]

2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) Rahul has cold. He can't taste the flavour of his favourite food. This is because

(1) Papillae is not sensitive.

(2) The taste buds are swollen.

(3) Cold affects his sense of smell.

(4) Cold makes your taste buds numb.

राहुल को जुकाम है। वह अपने पसंदीदा भोजन का स्वाद नहीं ले पा रहा है। यह इस कारण है

(1) पैपिले संवेदनशील नहीं है।

(2) स्वाद कलिकाएँ सूजी हुई हैं।

(3) जुकाम से उसकी सूँघने की अनुभूति प्रभावित हो गयी है।

(4) जुकाम आपकी स्वाद कलिकाओं को सुन्न कर देता है।

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Wildlife Conservation Week is celebrated during first week of

(1) October

(2) April

(3) July

(4) May

वन्य जीव संरक्षण सप्ताह किस माह के पहले सप्ताह के दौरान मनाया जाता है ?

(1) अक्टूबर

(2) अप्रैल

(3) जुलाई

(4) मई

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Who won Stockholm Water Prize in 2015 for his/her contribution in water harvesting and conservation ?

(1) Rajendra Singh

(2) Sunderlal Bahuguna

(3) Medha Patkar

(4) Panduranga Hegde

जल संग्रहण एवं संरक्षण में योगदान के लिए 2015 में किसने स्टॉकहोम जल पुरस्कार जीता था ?

(1) राजेन्द्र सिंह

(2) सुन्दरलाल बहुगुणा

(3) मेधा पाटकर

(4) पांडुरंग हेगड़े

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) Match the following :

	Location		Common houses
(a)	Assam	(i)	Houses made of stones with wooden floor and wooden ceiling.
(b)	Leh(Ladakh)	(ii)	Houses made of stones/wood with slanting roofs.
(c)	Manali (Himachal Pradesh)	(iii)	Mud houses made of thick walls. Roofs made of thorny bushes.
(d)	Rajasthan	(iv)	Multistorey houses with large glass windows.
		(v)	Elevated houses made on bamboo pillars.

(1) a-(v), b-(i), c-(ii), d-(iii)

(2) a-(v), b-(i), c-(iii), d-(ii)

(3) a-(v), b-(iv), c-(ii), d-(iii)

(4) a-(i), b-(ii), c-(v), d-(iv)

निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

स्थान	सामान्य घर
(a) असम	(i) घर पत्थर के बने जिनकी फर्श और छतें लकड़ी की बनी हैं।
(b) लेह (लद्दाख)	(ii) पत्थर/लकड़ी के बने घर जिनकी छतें ढालू हैं।
(c) मनाली (हिमाचल प्रदेश)	(iii) मिट्टी की मोटी दीवारों के घर जिनकी छतें कँटीली झाड़ियों की बनी हैं।
(d) राजस्थान	(iv) बहुमंजिले घर जिनकी बड़ी खिड़कियाँ काँच की हैं।
	(v) बाँस के खम्भों पर बने ऊँचे घर जिनकी छतें ढालू हैं।

(1) a-(v), b-(i), c-(ii), d-(iii)

(2) a-(v), b-(i), c-(iii), d-(ii)

(3) a-(v), b-(iv), c-(ii), d-(iii)

(4) a-(i), b-(ii), c-(v), d-(iv)

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Which is the correct sequence of taste buds from tip to side and then back of your tongue ?

(1) Sweet, Sour, Salty, Bitter

(2) Sweet, Salty, Sour, Bitter

(3) Bitter, Sour, Salty, Sweet

(4) Bitter, Salty, Sour, Sweet

स्वाद कलिकाओं का सही अनुक्रम जीभ के सिरे से अगल-बगल और फिर पीछे तक का क्या होगा ?

(1) मीठा, खट्टा, नमकीन, कड़वा

(2) मीठा, नमकीन, खट्टा, कड़वा

(3) कड़वा, खट्टा, नमकीन, मीठा

(4) कड़वा, नमकीन, खट्टा, मीठा

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) A species of plant or animal that is seriously at the risk of extinction is called as ________ .

(1) Endangered species

(2) Rare species

(3) Endemic species

(4) Extinct species

किसी पौधे अथवा जन्तु की प्रजाति जिसका गंभीर रूप से विलुप्त होने का ख़तरा हो, उसे __________ कहते हैं।

(1) संकटापन्न प्रजातियाँ

(2) दुर्लभ प्रजातियाँ

(3) स्थानीय प्रजातियाँ

(4) विलुप्त हो चुकी प्रजातियाँ

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Giant squirrel species is confined to Pachmarhi Biosphere Reserve and is not found anywhere else. Such species is known as :

(1) Exotic species

(2) Invasive species

(3) Endemic species

(4) Keystone species

बृहत् गिलहरी की प्रजाति पंचमढ़ी जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र तक सीमित है और यह कहीं और नहीं पाई जाती। ऐसी प्रजाति को कहते हैं :

(1) अन्यस्थानिक प्रजाति

(2) आक्रामक प्रजाति

(3) स्थानिक प्रजाति

(4) कीस्टोन प्रजाति

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) In a Naval Parade the number of platoons that march behind the leader is

(1) Three

(2) Four

(3) Five

(4) Seven

नौसेना की परेड में लीडर के पीछे चलने वाली टुकड़ियों (प्लाटूनों) की संख्या होती है

(1) तीन

(2) चार

(3) पाँच

(4) सात

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) Rohan went to the fruit market to buy varieties of mangoes. Identify the correct group of mangoes purchased by Rohan :

(1) Hapus, Neelum, Allahabad Safeda, Dasheri

(2) Alphonso, Kesar, Totapari, Neelum

(3) Kesar, Dasheri, Banarsi, Chittidar

(4) Langra, Totapari, Banarsi, Kesar

रोहन आमों की विभिन्न किस्में खरीदने के लिए फलों की मंडी (बाज़ार) में गया। रोहन द्वारा खरीदे गए आमों के सही समूह को पहचानिए :

(1) हापुस, नीलम, इलाहाबाद सफेदा, दसहरी

(2) अल्फाँसो, केसर, तोतापरी, नीलम

(3) केसर, दसहरी, बनारसी, चित्तीदार

(4) लंगड़ा, तोतापरी, बनारसी, केसर

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) A tribe is a group of distinct people who have their own way of living and culture. To which region/state does the Jarawa tribes belong ?

(1) Andaman and Nicobar Island

(2) Jharkhand

(3) Nagaland

(4) Chhattisgarh

कोई जनजाति एक ऐसे सुस्पष्ट लोगों का समूह होता है जिनकी अपनी जीवन-शैली तथा संस्कृति होती है। जरावा जनजाति किस क्षेत्र/राज्य की है ?

(1) अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह

(2) झारखंड

(3) नागालैंड

(4) छत्तीसगढ़

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Identify a competency for your students of class 5 for the theme 'Shelter'.

(1) Outline the journey of food from field to market to home.

(2) Relate to the concept of mapping and representation of a place in two dimensions.

(3) Describe the journey of a raw material to a finished product.

(4) Explain the various people's movements to preserve the forests.

विषय 'आवास' से संबंधित अपने कक्षा 5 के छात्रों की एक दक्षता पहचानिए।

(1) खेत से बाज़ार से घर तक की खाद्य पदार्थों की यात्रा की रूपरेखा बनाना।

(2) मानचित्रण की संकल्पना को तथा दो आयामों में एक स्थान का चित्रण से संबद्ध करना।

(3) कच्चे माल से तैयार उत्पादन तक की यात्रा का वर्णन करना।

(4) वनों के संरक्षण हेतु विविध जन आंदोलनों का वर्णन करना।

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) Which of the following task will you select to assess your students formatively on the concept 'food' ?

(1) Drawing different kinds of food items eaten by birds.

(2) Recalling definitions of herbivores and carnivores.

(3) Discussing different myths about food items in the class.

(4) Writing a test on parts of plants eaten as food.

'खाद्य' (भोजन) के प्रत्यय पर अपने छात्रों का रचनात्मक रूप से आकलन करने के लिए आप निम्नलिखित में से कौन-से कार्य का चयन करेंगे ?

(1) पक्षियों द्वारा खाए जाने वाले विभिन्न खाद्य-पदार्थों के चित्र बनाना ।

(2) शाकाहारी एवं मांसाहारी की परिभाषाएँ याद दिलाना ।

(3) खाद्य पदार्थों से संबंधित विभिन्न मिथकों के बारे में कक्षा में विचार-विमर्श करना ।

(4) खाद्य स्वरूप खाए जाने वाले पौधों के भागों पर टेस्ट लिखना ।

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following is the most important factor for the selection of methods to present concepts in EVS ?

(1) Nature of concept

(2) Richness of live experiences

(3) Learning preference of students

(4) Availability of learning resources

पर्यावरण अध्ययन में अवधारणाओं को प्रस्तुत करने की विधियों के चयन के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है ?

(1) अवधारणा की प्रकृति

(2) जीवंत अनुभवों की समृद्धता

(3) विद्यार्थियों की अधिगम प्राथमिकता/वरीयता

(4) अधिगम संसाधनों की उपलब्धता

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) Group discussion is a suitable method for teaching Environmental Studies due to which of the following reasons ?

(1) Interpersonal skills are developed.

(2) Children learn to respect diversity.

(3) Helps in multipurpose thinking and novel solution.

(4) Helps in breaking boundaries between subjects.

पर्यावरण अध्ययन शिक्षण हेतु, निम्नलिखित में से किस कारण से समूह चर्चा उपयुक्त विधि है ?

(1) अन्तर्वैयक्तिक कौशलों का विकास होता है ।

(2) बच्चे भिन्नताओं का सम्मान करना सीखते हैं ।

(3) बहुमुखी चिंतन एवं नवीन समाधान में सहायक हैं ।

(4) विषयों के बीच की सीमाएँ तोड़ने में सहायक हैं ।

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) Identify a competency for the theme 'Family and Friends' for students of class 5.

(1) State reason for community eating.

(2) Differentiate between transfer and displacement.

(3) Differentiate the material of houses in rural and urban areas.

(4) Explain why different tools and materials are required for making a variety of objects.

कक्षा 5 के छात्रों के लिए 'परिवार एवं मित्र' विषय के लिए एक दक्षता की पहचान कीजिए ।

(1) सामुदायिक भोजन खाने के कारण का उल्लेख कीजिए ।

(2) स्थानांतरण तथा विस्थापन में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(3) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में घरों की सामग्री में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(4) स्पष्ट कीजिए कि विविध प्रकार की वस्तुओं के निर्माण के लिए भिन्न औजारों एवं सामग्री की आवश्यकता क्यों होती है ।

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) Narratives have been included extensively in EVS textbooks in order to

A. Follow the guidelines of NCF, 2005.

B. Enhance understanding of fundamental concepts.

C. Provide enjoyment in learning of fundamental concepts.

D. Develop communication skills in students.

(1) A and B

(2) A, B and C

(3) B, C and D

(4) Only C

ई.वी.एस. की पाठ्य-पुस्तकों में वृत्तांतों को व्यापक रूप से शामिल किया गया है जिससे कि

A. NCF, 2005 के निर्देशों का पालन हो ।

B. मूलभूत प्रत्ययों की समझ को बढ़ावा मिले ।

C. मूलभूत प्रत्ययों को सीखने में आनंद मिले ।

D. छात्रों में संप्रेषण के कौशलों का विकास हो ।

(1) A और B

(2) A, B और C

(3) B, C और D

(4) केवल C

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Which of the following statements describes the characteristics of Formative Assessment ?

A. It is a formal test given to all.

B. Children are not aware that they are being assessed.

C. This is an account to be recorded in progress report.

D. This is an observation of student's progress during learning

E. This is a process of reform in learning of children through observation of their activities.

(1) A, B and C

(2) C, D and E

(3) A, C and D

(4) B, D and E

निम्नलिखित में से कौन-से कथन संरचनात्मक आकलन की विशेषताओं का वर्णन करते हैं ?

A. यह सब बच्चों को दिए जाने वाले औपचारिक परीक्षण हैं ।

B. इसमें बच्चों को यह पता ही नहीं चलता कि उनका आकलन किया जा रहा है ।

C. यह प्रगति पत्र में दर्ज किये जाने वाला विवरण है ।

D. यह सीखने के दौरान बच्चों की प्रगति का अवलोकन है ।

E. यह बच्चों की गतिविधियों के अवलोकन द्वारा उनके सीखने में सुधार की प्रक्रिया है ।

(1) A, B और C

(2) C, D और E

(3) A, C और D

(4) B, D और E

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) Which of the following statements describe the characteristics of summative evaluation ?

A. It is testing the quality of a child's work on the basis of definite criteria.

B. It is testing the quality of achievement of child during learning.

C. It is a comparison of a child's achievement with that of other children.

D. It is a comparison of a child's progress with his/her own past progress.

(1) A and B

(2) A and C

(3) A and D

(4) B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन समेकित मूल्यांकन की विशेषताओं का वर्णन करते हैं ?

A. यह निर्धारित मानदंड के आधार पर बच्चे के कार्य की गुणवत्ता की जाँच करना है ।

B. यह सीखने के दौरान बच्चे की उपलब्धि की गुणवत्ता को परखना है ।

C. यह एक बच्चे की उपलब्धि की तुलना दूसरे बच्चों की उपलब्धि से करना है ।

D. यह एक बच्चे की प्रगति की तुलना स्वयं की पिछली प्रगति से करना है ।

(1) A और B

(2) A और C

(3) A और D

(4) B और D

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]

2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) As per NCF 2005, which of the following is one of the six themes suggested in the EVS syllabus ?

(1) Plants

(2) Animals

(3) Shelter

(4) Changes around us

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार ई.वी.एस. पाठ्यचर्या में सुझाए गए छ: थीमों में से, निम्नलिखित में से एक थीम कौन-सा है ?

(1) पौधे

(2) पशु

(3) आश्रय

(4) हमारे चारों ओर परिवर्तन

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) The theme 'Family and Friends' in EVS curriculum encompasses

(1) Shelter

(2) Work and Play

(3) Water

(4) Life

ई.वी.एस. पाठ्यचर्या में थीम 'परिवार और मित्र' सम्मिलित करता है

(1) आश्रय

(2) कार्य और खेल

(3) जल

(4) जीवन

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Sabiya painted the sky green and trees blue in her painting. What should the teacher do first ?

(1) Ask Sabiya to see the pictures of sky and tree and redraw.

(2) Tell Sabiya that sky is blue and trees are green and she has coloured wrong.

(3) Appreciate her painting and ask why she has chosen such colours.

(4) Take Sabiya to the garden and let her observe sky and trees.

सबिया ने अपने चित्र में आकाश को हरा और पेड़ को नीला रंग किया। उसके शिक्षक को पहले क्या करना चाहिए ?

(1) सबिया से आकाश और पेड़ का चित्र देखने के लिए कहें और चित्र फिर से बनाने को कहें ।

(2) सबिया को बताएँ कि आकाश नीला होता है और पेड़ हरे होते हैं और उसने गलत रंग किया है।

(3) उसके चित्र की सराहना करें और पूछें कि उसने इन रंगों का चयन क्यों किया है।

(4) सबिया को बगीचे में ले जाएँ और उसे आकाश और पेड़ देखने दें।

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) The syllabus of EVS is organised in which of the following manner ?

A. Beginning from child's immediate surroundings to the wider environment.

B. Beginning from wider environment to the child's immediate surroundings.

C. Beginning from child as "self" to "self" in larger context.

D. Beginning from "self" in larger context to child as "self".

(1) A and B

(2) B and C

(3) A and C

(4) B and D

पर्यावरण अध्ययन का पाठ्यक्रम निम्नलिखित में से किस प्रकार संगठित है ?

A. बच्चे के निकटस्थ परिवेश से प्रारंभ होकर व्यापक पर्यावरण तक।

B. व्यापक पर्यावरण से प्रारंभ होकर बच्चे के निकटस्थ परिवेश तक।

C. "स्व" के रूप में बच्चे से प्रारंभ होकर "स्व" के रूप में व्यापक संदर्भ तक।

D. "स्व" के रूप में व्यापक संदर्भ से "स्व" के रूप में बालक तक।

(1) A और B

(2) B और C

(3) A और C

(4) B और D

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) Which of the following statements is most suitable regarding how children learn about environment ?

A. Children learn alone through their own efforts.

B. Children learn through interaction with environment.

C. Children learn through discussion with friends.

D. Children learn through explanation by teacher.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन बच्चों के पर्यावरण से सीखने के बारे में सर्वाधिक उपयुक्त हैं ?

A. बच्चे अपने प्रयासों से अकेले सीखते हैं।

B. बच्चे पर्यावरण से अन्त:क्रिया द्वारा सीखते हैं।

C. बच्चे अपने दोस्तों के साथ चर्चा द्वारा सीखते हैं।

D. बच्चे शिक्षक की व्याख्या से सीखते हैं।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]

3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Antra was finding it difficult to understand how to solve a puzzle alone but with his elder brother Prasoon she could easily solve the puzzle in a few minutes. Which of the following may be the reason for this ?

(1) Children develop naturally through successive stages of intellectual development.
(2) Children can cross the "Zone of Proximal development" through the scaffolding provided by adult support.
(3) Children learn through interaction with environment.
(4) Children construct meaning in social interaction.

अंतरा को अकेले पहेली हल करना मुश्किल लग रहा था लेकिन अपने बड़े भाई प्रसून के साथ वह कुछ ही मिनटों में पहेली को आसानी से सुलझा सकी । इसका कारण निम्नलिखित में से क्या हो सकता है ?

(1) बच्चे बौद्धिक विकास की क्रमिक अवस्थाओं में स्वाभाविक रूप से विकसित होते हैं।
(2) बच्चे वयस्क के सहारे द्वारा दिए गए स्केफोल्डिंग से "समीपस्थ विकास के क्षेत्र" को पार कर लेते हैं।
(3) बच्चे परिवेश से अंत:क्रिया के माध्यम से सीखते हैं।
(4) बच्चे सामाजिक अंत:क्रिया में अर्थ निर्माण करते हैं।

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q89]
1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) The syllabus in EVS at primary level is organized in a manner that it begins

(1) from the learner's immediate surroundings.
(2) from the neighborhood and community.
(3) from the global context.
(4) from the larger context.

प्राथमिक स्तर पर ई.वी.एस. में पाठ्यक्रम इस तरह से व्यवस्थित किया जाता है कि यह शुरू होता है

(1) सीखने वाले के तत्काल परिवेश से।
(2) पड़ोस और समुदाय से।
(3) वैश्विक संदर्भ से।
(4) बड़े संदर्भ से।

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q90]
1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]

4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे। मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है। इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं। उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं। इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा। मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई।

गद्यांश के अनुसार भील अपने मवेशी क्यों मार रहे थे ?

(1) मवेशियों की संख्या अधिक हो गई थी।

(2) मवेशी नियंत्रण से बाहर हो गए थे।

(3) फसलें खराब होने के कारण अनाज की कमी हो गई थी।

(4) मवेशियों को मारना उनकी परंपरा है।

[Question ID = 121][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q91]

1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

'भारवाही पशु' का अर्थ है

(1) भार ढोने वाले पशु

(2) भारी पशु

(3) दूध देने वाले पशु

(4) जंगली पशु

[Question ID = 122][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q92]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

पहाड़ी क्षेत्र के बाहर क्या घटना घटी ?

(1) फसल सूख गई ।

(2) टिड्डियों ने फसल नष्ट कर दी ।

(3) फसल लहलहा रही थी ।

(4) टिड्डियों ने घरों पर हमला कर दिया था ।

[Question ID = 123][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q93]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

मवेशी न बचने पर क्या होता ?

(1) अगले मौसम की फसल के लिए पशु मिल जाते ।

(2) अगले मौसम की फसल के लिए समय से जुताई व बुवाई न हो पाती ।

(3) अगले मौसम की फसल सामान्य न होती ।

(4) अगले मौसम की फसल अच्छी होती ।

[Question ID = 124][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q94]

1. 1 [Option ID = 493]
2. 2 [Option ID = 494]
3. 3 [Option ID = 495]
4. 4 [Option ID = 496]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

'टिड्डियाँ' हैं

(1) जातिवाचक संज्ञा

(2) भाववाचक संज्ञा

(3) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(4) गुणवाचक विशेषण

[Question ID = 125][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q95]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

'ज्ञात' का विलोम ________ है ।

(1) अज्ञान

(2) अज्ञात

(3) अजेय

(4) अनजान

[Question ID = 126][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q96]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे । मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है । इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं । उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं । इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा । मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई ।

'ढोर डंगर' से तात्पर्य है

(1) पक्षी

(2) जंगली पशु

(3) पशु-पक्षी

(4) पशुधन

[Question ID = 127][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q97]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे। मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है। इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं। उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं। इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा। मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई।

गद्यांश के अनुसार भीलों की मुख्य फसल है

(1) गेहूँ

(2) बाजरा

(3) मक्का

(4) चावल

[Question ID = 128][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q98]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

9) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

वहाँ मैं भीलों से मिला जो अपना दुखड़ा सुनाने दूर-दूर से बड़ी संख्या में आए थे। मुझे बताया गया कि मक्का वहाँ की मुख्य फसल है, जो पूरी तरह नष्ट हो गई है। इसका नतीजा है कि अभी से वहाँ अन्नाभाव की ऐसी स्थिति हो गई है कि ये भील पत्तों और पेड़ों की छालों को खाकर गुजर-बसर कर रहे हैं। उनके बीच कार्य कर रहे एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि अब वे अपने मवेशी मारने लगे हैं। इसका मतलब हुआ कि यदि अभी पेट भरने के लिए बड़े पैमाने पर ढोर-डंगर नष्ट किए जाते हैं तो भारवाही पशुओं की कमी हो जाएगी, जिसका असर अगले मौसम की खेती पर भी पड़ेगा। मैं कुछ कार्यकर्ताओं से भी मिला, जिन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के ठीक बाहर खुली जगह में, जहाँ अच्छी रबी उपज की उम्मीद थी, टिड्डियों ने आकर काफ़ी फसल बर्बाद कर दी और इसके ऊपर पाला पड़ा, जिससे और भी क्षति हुई।

अन्नाभाव का अर्थ है

(1) अन्न का भाव

(2) अन्न का अभाव

(3) अन्न और भाव

(4) अन्न का उत्पादन

[Question ID = 129][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q99]

1. 1 [Option ID = 513]
2. 2 [Option ID = 514]
3. 3 [Option ID = 515]
4. 4 [Option ID = 516]

Topic:- HIN_Q100-105_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

जब व्यक्ति असफल हो जाए तो क्या ***नहीं*** करना चाहिए ?

(1) दूसरों की निंदा करना

(2) चैन से न बैठना

(3) अपनी कमियों को जानना

(4) निरंतर प्रयास करना चाहिए

[Question ID = 130][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q100]

1. 1 [Option ID = 517]
2. 2 [Option ID = 518]
3. 3 [Option ID = 519]
4. 4 [Option ID = 520]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

असफलता को अपनी हार नहीं मान लेनी चाहिए, बल्कि पुन: प्रयास करना चाहिए । यह कथन

(1) असत्य है ।

(2) अप्रामाणिक है ।

(3) पूर्णत: सत्य है ।

(4) अंशत: सत्य है ।

[Question ID = 131][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q101]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

किन व्यक्तियों की पराजय ***नहीं*** होती ?

(1) जो संघर्ष करते हैं

(2) जो जयकार करते हैं

(3) जो दूसरों की कमियाँ देखते हैं

(4) जो रात भर सोते नहीं हैं

[Question ID = 132][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q102]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

कविता में पराजय को विजय में परिवर्तित करने का क्या सूत्र बताया गया है ?

(1) जब तक सफल न हो जाएँ तब तक अन्न त्याग दो

(2) जब तक सफल न हों, समस्त कार्य त्याग दो

(3) जब तक सफल न हो जाएँ तब तक चैन से न बैठना

(4) जब तक सफल न हों तब तक मैदान में न जाना

[Question ID = 133][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q103]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

5) *निर्देश : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

किस शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों हैं ?

(1) सफलता

(2) स्वीकार

(3) असफल

(4) असफलता

[Question ID = 134][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q104]

1. 1 [Option ID = 533]
2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

6) *निर्देश : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़, मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।

'सफल' शब्द है

(1) परिमाणवाचक विशेषण

(2) गुणवाचक विशेषण

(3) सार्वनामिक विशेषण

(4) संख्यावाचक विशेषण

[Question ID = 135][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q105]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P1_CTET

1) निम्नलिखित में से भाषा के बारे में कौन-सा सही है ?

(1) भाषा व्यवस्थाओं की व्यवस्था है।

(2) भाषा एक वैज्ञानिक व्यवस्था है।

(3) भाषा के लिए व्याकरण अनिवार्य है।

(4) प्रत्येक भाषा की एक लिपि होती है।

[Question ID = 136][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q106]

1. 1 [Option ID = 541]
2. 2 [Option ID = 542]
3. 3 [Option ID = 543]
4. 4 [Option ID = 544]

2) एक बालिका अक्षरों और ध्वनियों को इस प्रकार से उच्चारित करती है जिससे आभास होता है कि वह पढ़ने का प्रयास कर रही है। इसे किस रूप में जाना जाएगा ?

(1) कूट भाषा में बदलना (एनकोडिंग)

(2) अर्थ ग्रहण के लिए पठन

(3) कंठस्थ करना

(4) अर्थापन करना (डिकोडिंग)

[Question ID = 137][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q107]

1. 1 [Option ID = 545]
2. 2 [Option ID = 546]
3. 3 [Option ID = 547]
4. 4 [Option ID = 548]

3) कक्षा में द्वितीय भाषा का अध्यापन करते हुए एक अध्यापिका विद्यार्थी को अन्त:क्रिया करने एवं एक-दूसरे को समझाने की दृष्टि से अपनी घर की भाषाओं के प्रयोग की स्वतंत्रता देती है। यहाँ पर अध्यापिका किस युक्ति का प्रयोग कर रही है ?

(1) द्विभाषावाद

(2) भाषा अन्तरण (ट्रान्सलैंग्वेजिंग)

(3) बहुभाषावाद

(4) समूह कार्य

[Question ID = 138][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q108]

1. 1 [Option ID = 549]
2. 2 [Option ID = 550]
3. 3 [Option ID = 551]
4. 4 [Option ID = 552]

4) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के द्वारा बुनियादी चरण की अवधि क्या है ?

(1) दो वर्ष

(2) तीन वर्ष

(3) चार वर्ष

(4) पाँच वर्ष

[Question ID = 139][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q109]

1. 1 [Option ID = 553]
2. 2 [Option ID = 554]
3. 3 [Option ID = 555]
4. 4 [Option ID = 556]

5) निम्नलिखित में से कौन-सा स्रोत बच्चों में भाषा विकास का स्रोत है ?

(1) जब बच्चे दूसरों द्वारा बोली जा रही भाषा पर ध्यान देते हैं

(2) गर्भावस्था के दौरान माँ द्वारा बोली जा रही भाषा

(3) बच्चों को जन्म देते समय माँ द्वारा बोली जा रही भाषा

(4) बच्चों के साथ बातचीत करते समय माँ द्वारा अक्सर बोली जा रही भाषा

[Question ID = 140][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q110]

1. 1 [Option ID = 557]
2. 2 [Option ID = 558]
3. 3 [Option ID = 559]
4. 4 [Option ID = 560]

6) एक बालिका ने अभी हाल ही में बुनियादी चरण में प्रवेश लिया है। वह दीवारों और फर्श पर इस तरह की आड़ी-तिरछी लकीरें खींचती है जिनका कोई आकार या प्रतिरूप नहीं है। बच्चों के भाषा विकास के इस कार्य को किस रूप में जाना जाएगा ?

(1) आरंभिक साक्षरता

(2) कार्यात्मक साक्षरता

(3) यह संज्ञानात्मक विकास का भाग है

(4) संख्या बोध का विकास

[Question ID = 141][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q111]

1. 1 [Option ID = 561]
2. 2 [Option ID = 562]
3. 3 [Option ID = 563]
4. 4 [Option ID = 564]

7) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भाषा अधिगम के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(A) बच्चे साथ-साथ कई भाषाएँ सीख सकते हैं।

(B) प्रथम भाषा द्वितीय भाषा के अधिगम में व्यवधान डालती है।

(C) भाषा अर्थपूर्ण संदर्भों में सीखी जाती है।

(D) भाषा नियमों पर निपुणता प्राप्त करने के बाद सीखी जाती है।

(1) (A) और (C) सही नहीं हैं

(2) (B) और (D) सही नहीं हैं

(3) (B), (C) और (D) सही नहीं हैं

(4) (A) और (D) सही नहीं हैं

[Question ID = 142][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q112]

1. 1 [Option ID = 565]
2. 2 [Option ID = 566]
3. 3 [Option ID = 567]
4. 4 [Option ID = 568]

8) कक्षा पाँच का विद्यार्थी अरुण पेड़ों के बारे में एक अनुच्छेद सुनता है और वह ध्वनि, शब्दों और उसके बाद समग्र विचार बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करता है। श्रवण के इस उपागम को क्या कहा जाएगा ?

(1) टॉप-डाउन मॉडल

(2) मिश्रित मॉडल

(3) गुणात्मक उपागम

(4) बॉटम-अप उपागम

[Question ID = 143][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q113]

1. 1 [Option ID = 569]
2. 2 [Option ID = 570]
3. 3 [Option ID = 571]
4. 4 [Option ID = 572]

9) एक अध्यापिका कक्षा पाँच के विद्यार्थियों को तरह-तरह के जिह्वा मुड़कन गीत (टंग ट्विस्टर) करवाती है। वह शिक्षार्थियों को क्या सिखाना चाहती है ?

(1) श्रवण, वाचन और उच्चारण

(2) वाचन और पठन

(3) उच्चारण

(4) समावेशित रूप से सभी कौशल

[Question ID = 144][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q114]

1. 1 [Option ID = 573]
2. 2 [Option ID = 574]
3. 3 [Option ID = 575]
4. 4 [Option ID = 576]

10) निम्नलिखित में से कौन-सा संकेत भाषा के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(1) संकेत भाषा की व्याकरण होती है।

(2) संकेत भाषा प्राकृतिक भाषा है।

(3) संकेत भाषा की व्याकरण नहीं होती है।

(4) संकेत भाषा के विभिन्न प्रकार होते हैं।

[Question ID = 145][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q115]

1. 1 [Option ID = 577]
2. 2 [Option ID = 578]
3. 3 [Option ID = 579]
4. 4 [Option ID = 580]

11) एक अध्यापिका अपनी कक्षा में दो-दो के जोड़ों में काम करवा रही है। वह आठ वाक्यों के एक अनुच्छेद से एक वाक्य-एक विद्यार्थी, दूसरा वाक्य-दूसरा विद्यार्थी इस तरह से बारी-बारी से पढ़वाती है। विद्यार्थियों को अपने जोड़ीदार से सुने गए वाक्य लिखने हैं। वे अनुच्छेद पूरा लिखकर एक-दूसरे को दिखाते हैं कि उन्होंने सही लिखा है या नहीं। भाषा अधिगम की इस गतिविधि को किस रूप में जाना जाएगा ?

(1) पारस्परिक श्रुतलेख

(2) अनुच्छेद श्रुतलेख

(3) श्रवण कार्य

(4) लेखन कार्य

[Question ID = 146][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q116]

1. 1 [Option ID = 581]
2. 2 [Option ID = 582]
3. 3 [Option ID = 583]
4. 4 [Option ID = 584]

12) 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' क्या है ?

(1) विद्यार्थियों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को समुन्नत करने का भारत सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम

(2) पर्यटन और सांस्कृतिक अंवेषण को समुन्नत करने की भारत सरकार की रेल योजना

(3) विद्यालय में सभी विद्यार्थियों में एकता को समुन्नत करने का कार्यक्रम

(4) विद्यालयी शिक्षा द्वारा भारत की प्राकृतिक संस्कृति, परम्पराओं और इतिहास का अन्वेषण

[Question ID = 147][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q117]

1. 1 [Option ID = 585]
2. 2 [Option ID = 586]
3. 3 [Option ID = 587]
4. 4 [Option ID = 588]

13) एक अध्यापिका अपने विद्यार्थियों के कक्षा और कक्षा के बाहर किए गए अधिगम के उदाहरण संग्रहीत करके समग्र आकलन हेतु उनका प्रयोग करती है। आकलन की इन प्रक्रियाओं को किस रूप में जाना जाएगा ?

(1) संकल्पनात्मक आकलन

(2) रचनात्मक आकलन

(3) पोर्टफोलियो आकलन

(4) सतत आकलन

[Question ID = 148][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q118]

1. 1 [Option ID = 589]
2. 2 [Option ID = 590]
3. 3 [Option ID = 591]
4. 4 [Option ID = 592]

14) भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा की क्या स्थिति है ?

(1) कार्यालयी भाषा

(2) सहकार्यालयी भाषा

(3) जुड़ाव (लिंक) भाषा

(4) राष्ट्रीय भाषा

[Question ID = 149][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q119]

1. 1 [Option ID = 593]
2. 2 [Option ID = 594]
3. 3 [Option ID = 595]
4. 4 [Option ID = 596]

15) एक बालिका जब विद्यालय में प्रवेश लेती है, उसके पास अपनी मातृभाषा है, साथ ही समाज में बोली जाने वाली भाषा है जो उसकी मातृभाषा से भिन्न है। विद्यालय में माध्यम की एक अलग भाषा है। उसके भाषा अधिगम के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(A) उसके विद्यालय में उसका भाषा अधिगम दूसरी भाषाओं के ज्ञान के रहते सफल रहेगा।

(B) उसकी मातृभाषा और दूसरी भाषा उसके विद्यालयी भाषा अधिगम में व्यवधान डालेंगी।

(C) वह नई भाषा सीखने के लिए दूसरी दो भाषाओं का अपना भाषिक ज्ञान इस्तेमाल कर सकती है।

(D) यदि उसे अवसर दिए जाएँ तो वह सभी भाषाएँ सीख सकती है।

(1) (A) सही नहीं है

(2) (B) सही नहीं है

(3) (C) सही नहीं है

(4) (D) सही नहीं है

[Question ID = 150][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_111_HINDI_Q120]

1. 1 [Option ID = 597]
2. 2 [Option ID = 598]
3. 3 [Option ID = 599]
4. 4 [Option ID = 600]

Topic:- Telugu_Q121-128_L2_P1_CTET

1) **సూచన** : *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే

కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నార్డ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపథ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ

మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.
నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్ధంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్ట్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.
అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.
అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

మనుషులలోని బలహీనతలను వెలికితీసిన నాటకకర్త

(1) డాంటన్

(2) సత్యజిత్ రే

(3) మోలియర్

(4) నికోలాయ్ ఆస్ట్రోవ్ స్కీ

[Question ID = 271][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q121]

1. 1 [Option ID = 1081]
2. 2 [Option ID = 1082]
3. 3 [Option ID = 1083]
4. 4 [Option ID = 1084]

2) **సూచన** : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను స్పష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నార్డ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపథ్యంలో

పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్థంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్త్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ

అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

'గణశత్రు' సినిమా ఎవరు తీశారు

(1) బెర్నార్డ్ షా

(2) సత్యజిత్ రే

(3) స్ట్రిండ్ బెర్గ్

(4) ఇబ్సెన్

[Question ID = 272][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q122]

1. 1 [Option ID = 1085]
2. 2 [Option ID = 1086]
3. 3 [Option ID = 1087]
4. 4 [Option ID = 1088]

3) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని

'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝుల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నాడ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపధ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్థంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్ట్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్

సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పల్లె డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

ఈ క్రింది వాటిలో ప్రయోగాత్మక నాటకం

(1) జూలీ

(2) డాంటర్ మరణం

(3) ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్

(4) వోయ్ జెక్

[Question ID = 273][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q123]

1. 1 [Option ID = 1089]
2. 2 [Option ID = 1090]
3. 3 [Option ID = 1091]
4. 4 [Option ID = 1092]

4) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది.

వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నాడ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపథ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వేచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు

ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.
స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.
నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్ధంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్ట్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.
అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో ఆణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.
అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' గంధకర

(1) షేక్స్పియర్

(2) ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్

(3) జార్జి బెర్నార్డ్ షా

(4) సత్యజిత్ రే

[Question ID = 274][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q124]

1. 1 [Option ID = 1093]
2. 2 [Option ID = 1094]
3. 3 [Option ID = 1095]
4. 4 [Option ID = 1096]

5) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కటళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు

చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నార్డ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపధ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్థంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్త్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్

నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ళ డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

కన్యాశుల్కం తొలిప్రదర్శన జరిగిన సంవత్సరం

(1) 1892

(2) 1891

(3) 1879

(4) 1859

[Question ID = 275][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q125]

1. 1 [Option ID = 1097]
2. 2 [Option ID = 1098]
3. 3 [Option ID = 1099]
4. 4 [Option ID = 1100]

6) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికే యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో

యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝుల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నార్డ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపధ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక

జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్ధంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్త్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

'ఓవర్ కోట్' రచన ఎవరిది ?

(1) స్ట్రిండ్ బెర్గ్

(2) ఇబ్సెన్

(3) గోగోల్

(4) ఆంటన్ చెహోవ్

[Question ID = 276][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q126]

1. 1 [Option ID = 1101]
2. 2 [Option ID = 1102]
3. 3 [Option ID = 1103]
4. 4 [Option ID = 1104]

7) **సూచన** : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికి యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్ధంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగస్టస్ స్ట్రిండ్ బెర్గ్ (August Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నార్డ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు. తెలుగు. హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ

ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపధ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గుర్తుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్థంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్త్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జారిబుకు్ర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు.

మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

'డాల్స్ హౌస్' నాటక కర్త

(1) గెథే

(2) ఇబ్సెన్

(3) ఎడిసన్

(4) సత్యజిత్ రే

[Question ID = 277][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q127]

1. 1 [Option ID = 1105]
2. 2 [Option ID = 1106]
3. 3 [Option ID = 1107]
4. 4 [Option ID = 1108]

8) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకువున్న ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

1892 ఆగస్టులో 'కన్యాశుల్కం' తొలి ప్రదర్శన జరిగినకాలంలో క్లుప్తంగా యూరపియన్ నాటక రంగ పరిస్థితిని చెప్పుకుందాం. అప్పుడు కాని 'కన్యాశుల్కం' ప్రాముఖ్యత మరింత స్పష్టంగా అర్థంకాదు. అప్పటికే యూరప్ లో 'జాతిరాజ్యాలు' (Nation States) ఇంచుమించుగా ఏర్పడిపోయాయి. పవిత్ర రోమన్ సామ్రాజ్యం చరిత్రలో కలిసిపోయింది. వలస విధానం ప్రపంచాన్ని కబళించి వేసింది. అయితే పారిశ్రామికంగా అభివృద్ధి చెందిన, చెందుతున్న దేశాలలో అంతకుపూర్వమున్న భూస్వామ్య విలువల ఆధిపత్యం మాత్రం తన పట్టును కోల్పోతున్న క్షణాలవి. సహజంగా కవులూ, కళాకారులూ కొత్త విలువలను కీర్తిస్తున్న కాలమిది. సంగీతం, సాహిత్యం ఉవ్వెత్తున విజృంభిస్తున్న శతాబ్దమిది. జాతిరాజ్యభావన సామాన్య మధ్యతరగతి ప్రజలకు కొంచెం స్వేచ్ఛ, కొంచెం ఆలోచన, కొంచెం కార్యాచరణ...అవసరమున్న కాలమది. అందుచేత 19వ శతాబ్దపు ద్వితీయార్థంలో యూరపియన్ నాటక రంగాన్ని షేక్స్పియర్, గెథేల సంప్రదాయాన్ని...మరో ముఖ్యమైన మలుపు తిప్పారు నాటక రచయితలూ, నాటక ప్రయోక్తలూ.

ఆధునిక నాటకానికి ఆది పురుషుడని పేరు సంపాదించిన ఇబ్సెన్ నాటక కర్త మాత్రమే కాదు అతడు నాటక ప్రయోక్త కూడా. మూడు దశాబ్దాలపైగా తన జీవితాన్ని నాటక రంగానికే అంకితం చేసిన ఇబ్సెన్...నాటకపు వస్తువులోనూ, ప్రయోగంలోనూ నూతన మార్గాలను అన్వేషించాడు. అలాగే స్వీడిష్ నాటక రచయిత ఆగసస్ స్ట్రీండ్ బర్ (August

Strindberg) కూడా నాటక ప్రయోగంతో ప్రత్యక్ష సంబంధం ఉన్నవాడే. ఇబ్సెన్ 1851 నుంచి నాటక రంగంలో తంటాలు పడుతూ వచ్చాడు. ఎటూ వచ్చి 1879 నాటికి మాత్రమే 'డాల్స్ హౌస్' (బొమ్మరిల్లు) నాటకంతో...వస్తువులోనూ, ప్రదర్శనలోనూ నూతన మార్గాన్ని 'కనిపెట్టగలిగాడు'. అదే సమయంలో, ఎడిసన్ లాంటి శాస్త్రవేత్తలు, నూతన శాస్త్రీయ పరికరాలను సృష్టించి. వాటికి పేటెంట్లను సంపాదించుకుంటున్నారన్న వాస్తవం గమనార్హం. అదలా ఉంచుదాం. 'డాల్స్ హౌస్' అప్పటివరకూ స్థిరమైపోయి, పుచ్చిపోతున్న కుటుంబ వ్యవస్థపై తీవ్రమైన క్రోధాన్ని, అసహ్యాన్ని వ్యక్తం చేసింది. 'డాల్స్ హౌస్' ఆఖరి దృశ్యం ఇప్పుడు కూడా చదివిన వారి గుండె ఝల్లుమనిపిస్తుంది. ఒక కాళీ బల్ల. అటువైపు ఒక అపరిచితుడు. అతడొక్కడు ఆమె భర్త. అతన్ని నిరామయంగా నైతికంగా తునాతునకలు చేసి లేచి ధడేలుమని తలుపు వేసి నిష్క్రమిస్తుంది. ఈ ముగింపు యూరప్ లోనే ఆనాడు పెద్ద కలవరం సృష్టించింది. తర్వాతెప్పుడో 1891లో 'ఇబ్సెన్ వాద సారాంశము' (The Quintessence of Ibsenism) అని ఒక పుస్తకమే రాశాడు జార్జిబెర్నాడ్ షా. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో అందరికీ తెలిసిన పేర్లు 'ప్రజాశత్రువు' (The Enemy of the People) 'సమాజానికి స్తంభాలు' (Pillars of the Society). సత్యజిత్ రే 'ప్రజాశత్రువు' ఆధారంగా 'గణశత్రు' సినిమా తీశాడు, తెలుగు, హిందీ సినిమాల వారు ఇబ్సెన్ నాటకాలను ఖండ ఖండాలుగా నరికి అనేక సినిమాలను తీసిపారేశారు. ఇబ్సెన్ నాటకాలలో వ్యక్తులకూ, పాత్రలకూ మాత్రమే కాక సమాజానికి కేంద్ర ప్రాధాన్యం లభించింది. షేక్స్పియర్, గేథేలు నైతిక 'ప్రపంచాల'ను సృష్టించగలిగితే, ఇబ్సెన్ నైతిక సమస్యలను సామాజిక నేపథ్యంలో పరిశీలించాడు. ఆ పరిశీలన కూడా పదునైనది కావడం వలన యూరపియన్ నాటకానికి కొత్త రూపం వచ్చింది. గిడస బారిన సామాజిక సంబంధాలనూ, ఆధునిక సమాజం తెచ్చిపెట్టిన ఆర్థిక ప్రాధాన్యాన్నీ అతను ప్రశ్నించాడు. ప్రజాస్వామ్య జీవనంలో ప్రధానమైన 'స్వచ్ఛమైన సంస్కారాన్ని' అతడు నాటకాలలో ప్రతిపాదించాడు. 16వ శతాబ్దంలో ప్రారంభమైన ప్రజాస్వామ్య సంప్రదాయాన్ని సామాన్య ప్రజలకు అందుబాటులోనికి తెచ్చి ప్రజలను ఆలోచింపచేసే నాటకాలను ఇబ్సెన్ రచించాడు. అదుచేతనే ఇబ్సెన్ నాటకాలు ప్రజాస్వామ్యీకరణ ప్రక్రియకు దోహదం చేసాయని చెపుతారు.

స్ట్రిండ్ బెర్గ్ కూడా ఇబ్సెన్ లాగే నాటకాన్ని ఒక వాహికగా గ్రహించి, సమాజాన్ని మరింత కర్కశంగా పరిశీలించాడు. ఈ సమాజంలో అంతస్పష్టంగా వ్యక్తంకాని - వ్యక్తమైనా పట్టించుకోని ఆత్మవంచన, పరవంచన ఎంత సూక్ష్మస్థాయిలో 'వ్యవహారం చేస్తాయో' స్ట్రిండ్ బెర్గ్ తన నాటకాలలో ఫోకస్ చేసాడు. 1887లో స్ట్రిండ్ బెర్గ్ రాసిన 'జూలీ'కి ప్రయోగాత్మక నాటకంగా ఇప్పటికీ ప్రశస్తి ఉంది. ఈ నాటకంలోని ఇతివృత్తం చాలా 'చిన్నది'. ఒక జమీందారిణి ఆమె అనుచరుడు - అనుచరుడు కూడా కాదు. ఆమెకు నౌకరు లాంటివాడు దొంగ ప్రేమ నటించి పరస్పరం వంచించుకోవడం. బహుశా ఈ నాటకం కూడా సభ్య సమాజాన్ని చాలా ఇబ్బంది పెట్టే ఉండాలి. 'భద్రంగా ఉన్న సమాజం'లో ఉన్న 'గోల కొండ మిరియాలంత' కుత్సితాలను బహిరంగ పరచడం భయంకరంగానే కనబడుతుంది కదా ! ఈ నాటకాన్ని 'కన్యాశుల్కం' కంటె 5 సంవత్సరాలు ముందుమాత్రమే రాసాడని ఒకసారి గురుచేసుకుందాం.

నాటకరంగంలో అతి ప్రసిద్ధుడైన ఆంటన్ చెకోవ్ 1890 ద్వితీయార్ధంలో మాత్రమే నాటక రచనకు పూనుకున్నాడు. నికోలాయ్ ఆస్త్రోవ్ స్కీ లాంటి వాళ్ళు అంతకుముందే నాటకాలు రాయకపోలేదు. గోగోల్ 'ఇన్ స్పెక్టర్ జనరల్' అంతకుముందు ప్రసిద్ధమైన నాటకం. రష్యన్ సమాజంలోని కృత్రిమత్వాన్నీ, పేరాసనూ, అల్పత్వాన్నీ గోగోల్ హాస్యం విషాదం...కలగలిపి రాసాడు. గోగోల్ 'ఓవర్ కోట్' నుంచి ఆధునిక రష్యన్ సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందంటారు. 'కన్యాశుల్కం' నుంచి ఆధునిక తెలుగు సాహిత్యం పుట్టుకొచ్చిందనడానికి అనేక సాక్ష్యాలున్నవి. గురజాడ అప్పారావుగారిని 'ఆంధ్రా ఇబ్సెన్' అనో 'ఆంధ్రా గోగోల్' అనో అనలేదు. అంతవరకు ఆయన అదృష్టవంతుడే.

అయితే మోలియర్ రచనలకున్న ప్రాధాన్యం వేరే కారణాలవల్ల వచ్చింది. మోలియర్ నాటకాలు ఎక్కువభాగం మనుష్యుల్లో అణిగిమణిగి ఉన్న చిన్న చిన్న బలహీన తలను వెలికి తీసి బ్రహ్మాండమంత చేసి చూపాయి. మధురవాణి చిరునవ్వుకూ, చిరుముద్దుకూ బానిసయిపోయిన కొండి భొట్ల లాంటివాళ్ళు మోలియర్ నాటకాలలో వివిధ రూపాలలో మనకు దర్శనమిస్తారు.

అన్నిటికన్నా జర్మన్ నాటక రంగంలో కొన్ని క్లిష్టమైన నాటకాలు వచ్చాయి, రెంటిని గురించి చెప్పుకుందాం. జార్జిబుక్నర్ రెండు నాటకాలు ('డాంటన్ మరణం' 'వోయ్ జెక్') రాసాడు. మొదటి నాటకం అతను బతికున్న రోజుల్లో ప్రదర్శితమైంది. కాని రెండో నాటకం 1902లో మాత్రమే ప్రదర్శనకు నోచుకుంది. జానపద గేయ సంప్రదాయాన్నుంచి 'వోయ్ జెక్' నాటక సృష్టి జరిగింది. ఒక సామాన్య సైనికుడు. అతడిని అధికారులనుండి సామాన్యుల వరకూ అందరూ మోసం చేస్తారు. అతడి 'అమాయకత్వాన్ని' దారుణంగా పీడనపాలు చేస్తారు. సైన్యాధికారికి అతడొక జంతువు మాత్రమే. పళ్ల డాక్టర్ కు అతడొక ప్రదర్శనాయోగ్యమైన వస్తువు. ఎటూవచ్చి... ఈ రెండు పాత్రల నిర్వహణకూ అతడు శిక్షణ పొందుతాడు. ప్రకృతికీ, మానవ ప్రకృతికీ మధ్య నున్న సంబంధాన్ని ఈ ప్రతీకల ద్వారా రచయిత వివరిస్తాడన్నమాట.

ఈ నాటకం 1902 లో ప్రదర్శింపబడింది

(1) వోయ్ జెక్

(2) ఇన్స్పెక్టర్ జనరల్

(3) డాంటన్ మరణం

(4) జూలీ

[Question ID = 278][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q128]

1. 1 [Option ID = 1109]
2. 2 [Option ID = 1110]
3. 3 [Option ID = 1111]
4. 4 [Option ID = 1112]

Topic:- Telugu_Q129-135_L2_P1_CTET

1) **సూచన** *: ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి వేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.
ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.
చాళుక్యభీముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.
క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాతృ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.
చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.
ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లానకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గౌడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.
చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని,

నిబంధనలను దేవాలయ నియమాలు ఏర్పాటుచేసిన వృత్తులెన్నో శిల్పవిభాగాన్ని ఉండేవి.
ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

భూలోకమల్ల బిరుదు గలవారు

(1) చాళుక్యభీముడు

(2) మూడవ సోమేశ్వరుడు

(3) విక్రమాదిత్యుడు

(4) జాయపసేనాని

[Question ID = 279][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q129]

1. 1 [Option ID = 1113]
2. 2 [Option ID = 1114]
3. 3 [Option ID = 1115]
4. 4 [Option ID = 1116]

2) **సూచన** *: ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి వేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.
ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.
చాళుక్యభిముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.
క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాతృ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.
చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారని. కవిత్వంలోనూ దేశి. మార్గరీతు

లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.

ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లానకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గౌడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.

చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు. ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

ఈ క్రింది వారిలో నాట్యాచార్యుడు

(1) చాళుక్యభీముడు

(2) మల్లప్ప

(3) భట్టవామనుడు

(4) మూడవసోమేశ్వరుడు

[Question ID = 280][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q130]

1. 1 [Option ID = 1117]
2. 2 [Option ID = 1118]
3. 3 [Option ID = 1119]
4. 4 [Option ID = 1120]

3) **సూచన** *: ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి పేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.

ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు

చాళుక్యభీముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.

క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాతృ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.

చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.

ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లావకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గొడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.

చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు. ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారి రచన

(1) ఆంధ్రుల సాంఘిక చరిత్ర

(2) కుమార సంభవము

(3) అభిలషితార్థ చింతామణి

(4) నృత్య రత్నావళి

[Question ID = 281][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q131]

1. 1 [Option ID = 1121]
2. 2 [Option ID = 1122]
3. 3 [Option ID = 1123]
4. 4 [Option ID = 1124]

4) **సూచన** : *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి వేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.

ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్థిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.

చాళుక్యభీముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల ఆభిప్రాయం.

క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాత్ఫ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.

చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.

ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లావకపిట్టల కొట్లాటలు,

మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు,
చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గౌడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.
చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు.
ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

సంగీత శాస్త్రంలో ఆరితేరినవారు

(1) భట్ట వామనుడు

(2) మల్లప్ప

(3) చాళుక్య సోమేశ్వరుడు

(4) భూలోకమల్లుడు

[Question ID = 282][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q132]

1. 1 [Option ID = 1125]
2. 2 [Option ID = 1126]
3. 3 [Option ID = 1127]
4. 4 [Option ID = 1128]

5) **సూచన** : *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి పేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.
ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.
చాళుక్యభీముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.
క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని నృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముందెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాత

మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.

చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.

ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లానకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గొడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.

చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు. ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

నృత్త రత్నావళి కర్త

(1) జాయప సేనాని

(2) నన్నెచోడుడు

(3) చాళుక్య సోమేశ్వరుడు

(4) చాళుక్య భీముడు

[Question ID = 283][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q133]

1. 1 [Option ID = 1129]
2. 2 [Option ID = 1130]
3. 3 [Option ID = 1131]
4. 4 [Option ID = 1132]

6) **సూచన** : *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు

క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్ధి పేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.
ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.
చాళుక్యభిముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.
క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్ధ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాతృ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిఅయి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.
చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల మొట్టమొదటి ప్రబంధంగా పేర్కొనవచ్చు. చాళుక్యరాజుల కాలంలో ప్రజలు ఊయల పాటల్ని, గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్ధ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.
ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లానకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గౌడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్ధ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.
చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు. ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించారు.

ఈ క్రింది వాటిలో అలంకార శాస్త్ర గ్రంథం

(1) కుమార సంభవము

(2) అభిలషితార్థ చింతామణి

(3) కావ్యాలంకార సూత్రము

(4) నృత్యరత్నావళి

[Question ID = 284][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q134]

1. 1 [Option ID = 1133]
2. 2 [Option ID = 1134]
3. 3 [Option ID = 1135]
4. 4 [Option ID = 1136]

7) **సూచన** : *ఈ క్రింద ఇవ్వబడిన అంశాన్ని చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చాళుక్యరాజులు (32 మంది) క్రీ.శ. 624 నుండి 1118 వరకు 500 సంవత్సరాలు ఆంధ్రదేశాన్ని నిరాఘాటంగా పరిపాలించారు. పూర్వ చాళుక్యుల్లో మొదటి చాళుక్యభీముడు క్రీ.శ. 910 ప్రాంతంలో విజయవాడ ఇంద్రకీలాద్రి పర్వతంమీద శివాలయాన్ని కట్టించి అందులో పార్థి పేశ్వరస్వామిని ప్రతిష్ఠించాడు.

ఈ చాళుక్యభీమునికి లలితకళల్లో అభిమానం ఎక్కువ. గాంధర్వ నాట్య విద్యల్లో అభిరుచి ఎక్కువ. సమస్త గాంధర్వ విద్యావిశారదయగు చల్లవ అనే వారవిలాసిని ఆయన ఆస్థానంలో వర్ధిల్లింది. చల్లవ తండ్రి మల్లప్ప సంగీతశాస్త్రంలో ఆరితేరిన విద్వాంసుడు. ఆనాటి గాయక శిఖామణుల్లో మల్లప్ప తుంబురుడని ప్రఖ్యాతి వహించాడు.

చాళుక్యభిముని కాలంలో సంగీతంతోపాటు సాహిత్యంకూడా పెంపొందింది. భట్టవామను డనే కవి ఈయన ఆస్థానకవిగా వుండి కావ్యాలంకార సూత్ర మనే అలంకారశాస్త్ర గ్రంథాన్ని రచించాడని కొందరు చరిత్రకారుల అభిప్రాయం.

క్రీస్తుశకం 1126 నుండి 1139 వరకు మూడవ సోమేశ్వరుడు (విక్రమాదిత్యుని కుమారుడు) భూలోకమల్ల బిరుదుతో 13 సంవత్సరాలు రాజ్యపాలన చేశాడు. ఈతడు సర్వజ్ఞ చక్రవర్తి అని బిరుదు పొందాడు. అభిలషితార్థ చింతామణి అనే సకల భారత విజ్ఞానఖనియైన గ్రంథాన్ని రచించాడు. ఈయన అనేకమంది కవులను పోషించాడు. జాయపసేనాని వృత్తరత్నావళిలో చాళుక్య సోమేశ్వరుడు ముం దెప్పుడో కళ్యాణకటకంలో భూతమాతృ మహోత్సవంలో 'భిల్లి' వేషం ధరించి, నృత్యగానాలు చేసే ఒక స్త్రీని చూచి మెచ్చుకున్నాడని, ఆ నృత్యమే గొండలి, లేక గొండగిలి, తరువాత అదే గొండ్లి అయినదని వివరించాడు. మూడవ సోమేశ్వరుడు స్వయంగా నాట్యాచార్యుడు. నట్టువు, గొండ్లి అనే నృత్యంలోని దోషాలను ఎవరో అడుగగా. దోషాలను సరిదిద్ది ఆడి చూపించాడు. నాటి రాణులూ సంగీత, నృత్త, వాద్యాది విద్యల్లో అరితేరినవారు.

చాళుక్యరాజులు దేశికవితను ఆంధ్రదేశంలో నిలిపారనీ, కవిత్వంలోనూ దేశి, మార్గరీతు లున్నట్లూ నన్నె చోడుడు కుమారసంభవంలో తెలియజేశాడు. కుమార సంభవమే ఆంధ్రుల

[illegible]
గౌడుగీతాలను పాడుతూ వుండేవారని అభిలషితార్థ చింతామణిలో ఉదాహరింపబడింది.
ఆ రోజుల్లో బాలబాలికలు చిలక బొమ్మల్ని, దంతపు బొమ్మల్ని, తోలు బొమ్మల్ని తయారుచేసి ఆడుతూవుండేవారట, నన్నెచోడుడు తన కుమార సంభవంలో ప్రప్రథమంగా రంభ నాట్యవర్ణనను గురించి ప్రస్తావించాడు. ఆనాటి వినోదాల్లో అనేకం నేటివరకూ నిలిచివున్నాయి. అనాడు అంకమల్లవినోదం, కోళ్ళ పందాలు, లానకపిట్టల కొట్లాటలు, మేషమహిషయుద్ధాలు, పావురాల పోట్లాటలు, గీతవాద్య నృత్యాలు, కథలు, ప్రహేళికలు, చదరంగం, పాములాటలు, మోడీలు, గొడి, మాధ్వి మొదలైన వెన్నో వున్నట్లు అభిలషితార్థ చింతామణినుండి సురవరం ప్రతాపరెడ్డిగారు ఆంధ్రుల సాంఘికచరిత్రలో ఉదహరించారు.
చాళుక్యచోళయుగంలో రాజులు, యుద్ధంలో విజయం పొందినప్పుడు వారి విజయ పరంపరల ఆనందంలో శివ, విష్ణు విగ్రహాలను ప్రతిష్ఠచేసి ఆలయాలను నిర్మించడంతోపాటు, స్వామివారి ధూప, దీప, నైవేద్యాది అంగ, రంగ, వైభోగాల నిమిత్తం సాని, మాని, నిబంధనకారులను దాసరినాయకము లేర్పాటుచేసి వృత్తులిచ్చి క్షేత్రవైభవాన్ని పెంచారు. ఈ రీతిగా ఈ కాలంలో దేవాలయాలలో సంగీతం. నాట్యం, శిల్పం. చిత్ర లేఖనం, సాహిత్యాది లలితకళలను అఖండంగా పోషించాడు.

చల్లవ తండ్రి

(1) భట్టవామనుడు

(2) మల్లప్ప

(3) చాళుక్యభీముడు

(4) జాయప సేనాని

[Question ID = 285][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q135]

1. 1 [Option ID = 1137]
2. 2 [Option ID = 1138]
3. 3 [Option ID = 1139]
4. 4 [Option ID = 1140]

Topic:- Telugu_Q136-150_L2_P1_CTET

1) రెండవ తరగతిగదిలో ఒక ఉపాధ్యాయుని ఒక పెద్ద పుస్తకాన్ని తెరచిచూపుతుంది. తరగతి గదిలో పిల్లలందరూ ఆ పుస్తకాన్ని చూచి చదువుతారు. ఆ పుస్తకంలో పెద్ద అక్షరాలు, బొమ్మలు, సులభమైన వాచకం పిల్లలు చదివేందుకుగాను ఉంటాయి ఈ సందర్భంలో ఉపాధ్యాయురాలు అను సరిస్తున్న పద్ధతి

(1) మార్గదర్శక పఠనం

(2) భాగస్వామ్య పఠనం

(3) క్రమరహిత పఠనం

(4) బిగ్గరగా చదవటం

[Question ID = 286][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q136]

1. 1 [Option ID = 1141]

2. 2 [Option ID = 1142]
3. 3 [Option ID = 1143]
4. 4 [Option ID = 1144]

2) జతిన్ అనే రెండవ తరగతి విద్యార్థికి వినికిడి సమస్య ఉంది. ఒక భాషాబోధకుడిగా అతనికి సహాయ పడేందుకు పనికొచ్చే సరైన వ్యూహం ఏది ?

(1) అతనితో సంభాషించేటప్పుడు సైగల ద్వారా సంభాషించమని అతనికి సహాయకారిగా ఉడమని సహ విద్యార్థిని ప్రోత్సహించటం

(2) అటువంటి పిల్లలు బాగా నేర్చుకోవడానికి అవకాశం ఉండే ప్రత్యేక పాఠశాలకు వెళ్లమని సూచించటం

(3) ఆటువంటి విద్యార్థిమీద ఏక్కువ సమయం పెట్టడం అనేది మిగతా విద్యార్థులకు చేసే బోధన సమయాన్ని తగ్గించేస్తుంది

(4) ఆ విద్యార్థిని మీ తరగతి గదిలోని విద్యార్థులు అంగీకరించటం లేదని, అతనికి సహకరించటం లేదని ప్రిన్సిపాల్ కి తెలియజేయండి

[Question ID = 287][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q137]

1. 1 [Option ID = 1145]
2. 2 [Option ID = 1146]
3. 3 [Option ID = 1147]
4. 4 [Option ID = 1148]

3) *వక్కాణింపు (A) :*

ప్రారంభ అక్షరాస్యత అంటే విద్యార్థులు తాము రాయటానికి, చదవటానికి ముందు రాయటం గురించి, చదవటం గురించి తెలుసుకొని ఉన్నది.

కారణం (R) :

ప్రారంభ అక్షరాస్యత అనేది విద్యార్థి చదవటం, రాయటం నేర్చుకోవటం పాఠశాలలో ప్రారంభమవుతుంది. తొలి బాల్య కాలంలో శ్రద్ధ విద్యారంభ సమయంలో (ECCE).

ఈ క్రింది కోడులో సరైన సమాధానాన్ని గుర్తించండి :

(1) (A) మరియు (R) రెండూ వాస్తవం (A) కి (R) సరైన వివరణ

(2) (A) మరియు (R) రెండూ వాస్తవం, అయితే (A) కి (R) సరైన వివరణ కాదు

(3) (A) వాస్తవం (R) అవాస్తవం

(4) (A) తప్పు (R) ఒప్పు

[Question ID = 288][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q138]

1. 1 [Option ID = 1149]
2. 2 [Option ID = 1150]
3. 3 [Option ID = 1151]
4. 4 [Option ID = 1152]

4) పదాల గురించిన స్పృహ, లయ గురించిన స్పృహ భాషతో అర్థవంతమైన పద్ధతిలో అభ్యాసకులు భాషలో ఉండే పదాల శబ్ద సంబంధిత స్పృహ లాంటి సామర్థ్యాలు కలిసి ఉండే రంగం

(1) సాహిత్య స్పృహ

(2) ధ్వని సంబంధ స్పృహ

(3) భావ ప్రసార స్పృహ

(4) మాట్లాడే స్పృహ

[Question ID = 289][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q139]

1. 1 [Option ID = 1153]
2. 2 [Option ID = 1154]
3. 3 [Option ID = 1155]
4. 4 [Option ID = 1156]

5) భావ ప్రసార నైపుణ్యాలను, అవగాహనా సామర్థ్యలను ప్రభావితం చేసే భాషా వైకల్యం

(1) డిస్ కాలిక్యులియా

(2) డిస్ఫ్రాజియా

(3) డిస్ప్రాక్సియా

(4) డిస్లెక్సియా

[Question ID = 290][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q140]

1. 1 [Option ID = 1157]
2. 2 [Option ID = 1158]
3. 3 [Option ID = 1159]
4. 4 [Option ID = 1160]

6) తరగతిగదిలో ప్రయోజనాత్మకంగా మాట్లాడటంలో పాల్గొనేందుకు విద్యార్థులకు అవకాశం కల్పించటాన్ని నొక్కి చెప్పే పద్ధతి విద్యార్థులు యథార్థ జీవిత సందర్భాలను ఎదుర్కోవటాన్ని ప్రోత్సహించే పద్ధతి ఏది ?

(1) భావ ప్రసార భాషా బోధనా పద్ధతి

(2) వ్యాకరణ అనువాద పద్ధతి

(3) ద్విభాషా పద్ధతి

(4) ఆడియోలింగ్వల్ పద్ధతి

[Question ID = 291][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q141]

1. 1 [Option ID = 1161]
2. 2 [Option ID = 1162]
3. 3 [Option ID = 1163]
4. 4 [Option ID = 1164]

7) స్కానింగ్ అనేది దీనిని తెలుసుకోవటానికి

(1) రచయిత అభిప్రాయం

(2) సంక్లిష్ట పదాలు

(3) ఒక నిర్దిష్ట సమాచారాంశం

(4) ప్రధాన భావం

[Question ID = 292][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q142]

1. 1 [Option ID = 1165]
2. 2 [Option ID = 1166]
3. 3 [Option ID = 1167]
4. 4 [Option ID = 1168]

8) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు భాషాభివృద్ధిని జ్ఞానగ్రహణ అభివృద్ధికి కొనసాగింపుగా చూస్తుంది. ఈ సైద్ధాంతిక దృక్పథం ఈ క్రింది వానిలో ఎవరికి సంబంధించింది ?

(1) జీన్ పియాజెట్

(2) బి.ఎఫ్. స్కిన్నర్

(3) లెవ్ వైగాట్‌స్కి

(4) స్టీఫెన్ క్రాషెన్

[Question ID = 293][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q143]

1. 1 [Option ID = 1169]
2. 2 [Option ID = 1170]
3. 3 [Option ID = 1171]
4. 4 [Option ID = 1172]

9) భాషా బోధనకు సంబంధించిన వ్యాకరణ అనువాద పద్ధతి ఈ క్రింది దాని మీద దృష్టి సారిస్తుంది

(1) భాషా ఉపయోగం అనేది ప్రధాన దృష్టి

(2) రూపంమీద దృష్టిపెట్టి చేసేబోధన

(3) అర్థం మీద దృష్టి పెట్టి చేసే బోధన

(4) నేర్చుకునేటప్పుడు ఉచ్చారణను బలోపేతం చేయటం

[Question ID = 294][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q144]

1. 1 [Option ID = 1173]
2. 2 [Option ID = 1174]
3. 3 [Option ID = 1175]
4. 4 [Option ID = 1176]

10) ఈ క్రింది వాటిలో ఏది సరిదిద్దే బోధనా పద్ధతి లక్షణం కాదు

(1) దానిని భాషా నైపుణ్యాలను అభివృద్ధి పరిచేందుకు వాడవచ్చు

(2) ఒక ప్రత్యేక సమస్యాత్మక రంగాన్ని సరిదిద్దేందుకు దానిని వాడవచ్చు

(3) విద్యార్థులు ఎదుర్కొనే సమస్యలను సవాళ్లను గుర్తించిన తరువాత దానిని అమలు పరచాలి

(4) విద్యార్థులు అభ్యసనాన్ని ఒక ప్రమాణము లేక కొలబద్ద దగ్గర మూల్యాంకనం చేయటం

[Question ID = 295][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q145]

1. 1 [Option ID = 1177]
2. 2 [Option ID = 1178]
3. 3 [Option ID = 1179]
4. 4 [Option ID = 1180]

11) బహు భాషావాదానికి సంబంధించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది వాస్తవం కాదు

(1) అది ఇంటిభాష నుంచి పాఠశాల భాషకు మారే సహజక్రమం గురించి నొక్కి చెపుతుంది

(2) సామర్థ్య సాధనకు అవసరమైన గ్రేడుకు సంబంధించిన నిర్దిష్ట నైపుణ్యాలను సముపార్జించేందుకు ప్రతి విద్యార్థికి సహకరిస్తుంది

(3) తరగతి గదిలో ప్రతి విద్యార్థి మాట్లాడే భాషను పిల్లలు నేర్చుకునేందుకు అది ఉపకరిస్తుంది

(4) బహుళ భాషల విద్యార్థులు ఏక భాషా మాట్లాడే వారికంటే ఎక్కువ గ్రహణ వెసులుబాటును కలిగి ఉంటారు విద్యాత్మకంగా మెరుగ్గా ఉంటారు

[Question ID = 296][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q146]

1. 1 [Option ID = 1181]
2. 2 [Option ID = 1182]
3. 3 [Option ID = 1183]
4. 4 [Option ID = 1184]

12) భాషను బోధించటంలో కథలు చెప్పట మనేది కీలక పాత్ర వహిస్తుంది. ఈ క్రింది వాటిలో కథలు చెప్పటానికి సంబంధించి ప్రముఖమైనది ఏది ?

(1) తరగతి గదిలో హాస్యాన్ని సృష్టిస్తుంది

(2) అది భాషను ఒక మొత్తంగా ప్రదర్శిస్తుంది

(3) అది విద్యార్థులలో నైతిక విలువలను పెంపొందిస్తుంది

(4) అది విద్యార్థి పద సంపదను పెంచుతుంది

[Question ID = 297][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q147]

1. 1 [Option ID = 1185]
2. 2 [Option ID = 1186]
3. 3 [Option ID = 1187]
4. 4 [Option ID = 1188]

13) ఒకటవ తరగతి విద్యార్థికి బోధించటంలో మనం మౌఖిక భాషమీద ఎక్కువ దృష్టి పెట్టాలి. ఈ క్రింది వాటిలో ఏ అభ్యసనం ఒకటవ తరగతి విద్యార్థులలో మౌఖిక భాషా నైపుణ్యాన్ని పెంపొందింపజేస్తుంది.

(1) రోల్ ప్లే

(2) వ్యాకరణ క్రీడలు

(3) రైమ్స్ పాడటం

(4) వర్ణమాలను నేర్చుకోవటం

[Question ID = 298][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q148]

1. 1 [Option ID = 1189]
2. 2 [Option ID = 1190]
3. 3 [Option ID = 1191]
4. 4 [Option ID = 1192]

14) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు సాధారణంగా జంటలుగానూ బృందాలుగానూ చేయాల్సిన అభ్యాసాలను ఇస్తుంది. అభ్యాసకులు ఆపనిలో నిమగ్నమై ఉన్నప్పుడు ఏం చేయాల్సి ఉంటుంది ?

(1) ఉపాధ్యాయురాలు ఖాళీగా కూర్చోకూడదు అందుకని ఆమె అభ్యసనం పెంపొందడానికి ఏదో ఒకటి చదవాలి

(2) ఉపాధ్యాయురాలు అందరూ అభ్యసనంలో పాల్గొనేట్లుగా చూడాలి. వారికి సహకరించాలి

(3) అభ్యాసకుల స్వయం ప్రతిపత్తిని గౌరవిస్తూ ఆమె ఆవిద్యార్థులను వదిలివేయాలి

(4) విద్యార్థులు తరగతిగదిలో గొడవచేయకుండా చూడాలి

[Question ID = 299][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q149]

1. 1 [Option ID = 1193]
2. 2 [Option ID = 1194]
3. 3 [Option ID = 1195]
4. 4 [Option ID = 1196]

15) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు ప్రాథమిక దశలో విద్యార్థులను డ్రాయింగ్ వేసేందుకు ప్రోత్సహిస్తుంది ఎందుకంటే

(1) విద్యార్థులు డ్రాయింగ్ ను ఇష్టపడతారు

(2) అది గ్రాస్ మోటారు నైపుణ్యాలను పెంపొందిస్తుంది

(3) అది వాళ్ళు చిత్రకారులు కావడానికి దోహద పడుతుంది

(4) పెన్సిల్ పై నియంత్రణ, పట్టును పెంచుతుంది

[Question ID = 300][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_TELUGU_Q150]

1. 1 [Option ID = 1197]
2. 2 [Option ID = 1198]
3. 3 [Option ID = 1199]
4. 4 [Option ID = 1200]